पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 167

ग्वालियर, शुक्रवार, 6 अगस्त, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

विवेक और नीलाकांता को प्रदेश सरकार देगी एक-एक करोड़ रुपए

भोपाल, एजेंसी

गुरुवार को टोक्यो ओलिंपिक में हुए हाकी मैच में भारतीय पुरुष हाकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मनी की टीम को 5-4 से मात देकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। जैसे ही भारत को मैडल मिलने का रास्ता साफ हुआ या टीम में मध्य प्रदेश से प्रतिनिधित्व कर रहे चांदोन गांव के खिलाड़ी विवेक सागर का पूरा गांव खुशी से झूम उठा। विवेक के भाई विद्या सागर ने नवदुनिया को बताया कि मैच के आखिरी 6 सेकंड पूरा परिवार दिल थामकर बैठा रहा। जैसे ही मैच खत्म हुआ, पिता रोहित सागर और मां कमला देवी की आंखों से आंसू आ गए। विद्या सागर ने सुबह जीत के बाद विवेक से बात की। विवेक ने कहा कि वह 3 दिन बाद इटारसी लौटेंगे। भाई ने बताया कि मैच के आखिरी क्षणों मे ऐसा लग रहा था कि 41 साल का लंबा इंतजार खत्म होगा या और लंबा चलेगा। जैसे ही 6 सेकंड में टीम इंडिया ने पेनाल्टी कार्नर शूट किया, पूरा परिवार झूम उठा। विवेक ने अपने परिवार से बात की। सभी ने उसे बधाई देते हुए कहा कि बेटा वेलडन..हमें नाज है तुम पर। विवेक सागर और नीलाकांता को मध्य प्रदेश सरकार देगी एक-एक करोड़ की राशि। सीएम शिवराज सिंह चौहान ने ट्वीट के माध्यम से इसकी घोषणा की। दोनों ही खिलाड़ियों का मध्य प्रदेश से संबंध हैं। विवेक सागर इटारसी के रहने वाले हैं तो नीलाकांत ने मध्य प्रदेश में ट्रेनिंग ली है। जीत के बाद गांव में दीवाली सा माहौल बन गया। गांव के युवा, बच्चे, महिलाएं हाथ मे तिरंगा लेकर ढोल के साथ झूम उठे। घर पर विवेक के पिता रोहित प्रसाद, मां कमला प्रसाद और भाई विद्यासागर भी जमकर नाचे। पूरा गांव बधाई देने घर पर आ गया। पिता ने खुशी से अपने बड़े बेटे को गोद मे उठा लिया। पिता इतने खुश थे कि गांव में मिठाई बंटवाने को बाहर आ गए। इधर जिला हाकी संघ के सदस्यों ने भी विजय जुलूस निकालकर टीम इंडिया की जीत का जश्न मनाया। विवेक के भाई विद्यासागर ने कहा आज हमारे विवेक ने पूरी दुनिया मे देश का नाम रोशन कर दिया है।

बारिश से मचा हाहाकार

गांव छोड़ने को तैयार नहीं ग्रामीणजन, कोटा से छोड़ा गया पानी चंबल में बरपा सकता है कहर

भोपाल, एजेंसी

श्योपुर में आज सुबह आवदा डेम टूटने की अफवाह फैलने से हंगामे की स्थिति निर्मित हो गई। क्षेत्र के लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। प्रशासन लोगों को समझाने में जुटा हुआ है, लेकिन पहले से बारिश एवं बाढ़ का कहर झेल चुके लोग अब कुछ भी सुनने को तैयार नहीं है। उधर मुख्यमंत्री ग्वालियर के लिए रवाना हो चुके हैं। वह श्यापुर में बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा करने जाएंगे। हालांकि शिवपुरी-श्योपुर में बाढ़ से आंशिक राहत है, लेकिन अगले 24 घंटे में फिर इन इलाकों में भारी बारिश की आशंका जताई जा रही है।चंबल में कोटा बैराज से छोड़ा गया पानी अगले एक दो दिन में कहर बरपा सकता है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन लगभग एक सैकड़ा गांवों से लोगों को बाढ़ से निकाल चुका है, लेकिन अभी भी दर्जनों गांव बाढ़ में फंसे हुए हैं। कई गांव के निवासी गांव छोड़ने को तैयार नहीं हैं। सबलगढ़-कैलारस से चिन्नोनी-चंबल और आसपास के 12 गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच गया। यहां कलेक्टर-एसपी के साथ एनडीआरएफ की टीम 4 नावों के साथ तैनात हो गई, लेकिन ग्रामीण घरों को छोड़ने तैयार नहीं है। ऐसे ही देवगढ़ क्षेत्र के बरवासिन गांव में 100 से ज्यादा लोग और अंबाह क्षेत्र के गूंजबसई गांव के 40 परिवार गांव छोड़ने तैयार ही नहीं हो रहे हैं। प्रशासन ने चंबल नदी का जलस्तर 24 घंटे में 15 फीट तक बढ़ने की संभावना

जताई है। ऐसा हुआ तो कई गांवों में भारी नुकसान होना तय है।

भिंड : जिले में सिंध और चंबल नदी में जलस्तर बढ़ते ही प्रशासन ने नदी के आसपास बने ग्रामीण क्षेत्रों को खाली कराना शुरू कर दिया था, लेकिन कुछ ग्रामीण दोबारा से अपने गांव पहुंच गए। इस वजह से वह बाढ़ में फंस गए। यह स्थिति भरौली, लहार के ढीमरन का पुरा में देखने को मिली। चंबल में भले ही बारिश कम हो, परंतु कोटा से छोड़े पानी के कारण हमेशा यहां हालत खराब होते हैं, ऐसे में बाढ़ की आदी हो चुके ग्रामीण आने वाले खतरे को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारौली रोड स्थित चुन्नाई का पुरा में देर रात रेस्क्यू आपरेशन चलाकर बाढ़ में फंसे लगभग 60 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। जिनमे ज़्यादातर महिलाए एवं वृद्ध व्यक्ति शामिल रहे। भिंड में सिंध नदी के मेहदा घाट पर वाटर लेवल 18.20 मीटर, चंबल का 127.55 मीटर पहुंच गया है। मुरैना में चंबल अभी भी खतरे के निशान से 7 मीटर ऊपर बह रही है। मुरैना में क्वारी नदी की बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए दिमनी पुल पर यातायात रोकने से मुरैना अंबाह हाइवे पर भारी वाहनों की कतार लगी हुई है। इस हाइवे से आवागमन बंद होने से मुरैना जिले का अंबाह, पोरसा और भिंड के कई क्षेत्रों से संपर्क कट गया है। हाइवे पर दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है।

शिवपुरी: जिले में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू लगभग पूरा हो चुका है। नरवर में सेना ने देर रात तक फंसे हुए लोगों को निकाला। अब नरवर-करैरा क्षेत्र में सेना की टुकड़ी फंसे हुए लोगों को तलाश रही है। कुछ परिवारों के फंसे होने की सूचना है, लेकिन उनकी लोकेशन नहीं मिल पा रही है, जिन्हें सेना तलाश रही है।

श्योपुर: जिले में मौसम विभाग ने गुरुवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। बावजूद प्रशासन ने तैयारियों के नाम पर कुछ नहीं किया है। नदी उतरते ही निचली बस्तियों में रहने वाले लोग अपने-

बाढ़ में रेस्क्यू बोट में बैठकर भिंड के अफसरों ने मौज-मस्ती का वीडियो बनाया

सिंध की बाढ़ ने हजारों लोगों को बेघर कर दिया है। सैकड़ों लोगों की जान घंटों सिंध के हिलोरे लेते हुए पानी में फंसी रही। वहीं भिंड के लहार तहसील के एसडीएम, एसडीओपी जनपद सीईओ और एक अन्य अफसर एक बोट में बैठकर मौज-मस्ती का वीडियो बनाया है। अफसर जहां मौज-मस्ती का वीडियो बना रहे थे, वहां से 45 किलोमीटर दूर रौन तहसील के मड़वारी गांव में 300 लोग दो दिन से बाढ़ में फंसे हैं। एक बेटी वीडियो जारी करके जान बचाने की गुहार लगा रही है। सिंध नदी के ऊफान पर आने पर भिंड जिले का लहार तहसील सबसे पहले प्रभावित हुआ। एक दर्जन से ज्यादा गांव में पानी भर गया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, वायुसेना और आर्मी जिंदगियां बचाने में जुटी हैं, लेकिन अफसरों की यह हरकत शर्मिंदा करने वाली है। गिरवासा गांवों के पास लहार एसडीएम आरए प्रजापति, एसडीओपी अवनीश बंसल, जनपद पंचायत सीईओ

आलोक प्रताप इटोरिया और अन्य एक अफसर बोट में बैठकर मौज-मस्ती का वीडियो बनाते रहे। इस वीडियो में एसडीएम लहार आरए प्रजापति बोट में बैठकर हाथ हिला रहे हैं। इस पर एक अफसर कमेंट कर रहा है कि देखो-देखो मोदी जी जैसे हाथ हिला रहे हैं। वहीं दूसरा अफसर, अपना हाथ उठाकर कॉपी भी करता है। इसके बाद एसडीओपी अवनीश बंसल ने कहा- आप लोग जल्द फोटो खींचो।

पेगासस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

न्यायालय ने पिटीशनर्स से कहा-सभी अर्जियों की कॉपी केंद्र सरकार को भेजें, मीडिया रिपोर्ट्स सही हैं तो ये गंभीर मामला है

नई दिल्ली, एजेंसी

पेगासस जासूसी मामले से जुड़ी 9 अर्जियों पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सुनवाई हुई है। ये अर्जियां पत्रकारों, वकीलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की तरफ से दायर की गई हैं। पिटीशनर्स की मांग है कि पेगासस मामले की स्ढ्ढञ्ज जांच करवाई जाए। इस केस की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा है कि अगर जासूसी से जुड़ी रिपोर्ट सहीं हैं तो ये गंभीर आरोप हैं। साथ ही पिटीशनर्स से कहा कि वे अपनी-अपनी अर्जियों की कॉपी केंद्र सरकार को भेजें। इस केस की अगली सुनवाई मंगलवार को होगी।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि जासूसी की रिपोर्ट्स 2019 में सामने आई थीं, लेकिन यह नहीं पता कि इसके बारे में किसी ने ज्यादा जानकारी जुटाने की कोशिश की या नहीं। साथ ही एक पिटीशनर से कहा कि मैं हर केस के तथ्यों को नहीं देख रहा, कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि उनके फोन इंटरसेप्ट किए गए। तो ऐसी शिकायतों के लिए टेलीग्राफ एक्ट है। पत्रकार एन राम और शशि कुमार की तरफ से पैरवी कर रहे कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा कि पेगासस एक खराब तकनीक है जो हमारी जानकारी के बिना हमारी जिंदगी में दाखिल हो जाती है। यह हमारी निजता, गरिमा और हमारे गणतंत्र के मूल्यों पर हमला है। सिब्बल ने कहा है कि स्पाइवेयर सिर्फ सरकारी एजेंसियों को ही बेचा जाता है और निजी संस्थाओं को नहीं बेचा जा सकता है।सिब्बल ने दलील दी कि पत्रकार, संवैधानिक संस्थाएं, अदालत के अधिकारी और शिक्षाविद तक स्पाइवेयर के टारगेट पर थे। ऐसे में सरकार को जवाब देना है कि स्पाइवेयर किसने खरीदा, हार्डवेयर कहां रखा गया और सरकार ने स्नढ्ढक्र दर्ज क्यों नहीं की। मैं चाहता हूं कि सरकार को नोटिस जारी किया जाए।

सरकार बताए- क्या पेगासस का इस्तेमाल किया?

पिटीशनर्स ने अपील की है कि पेगासस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर या मौजूदा जज की अध्यक्षता में गठित स्ढ्ढञ्ज से करवाई जाए। केंद्र को ये बताने के लिए कहा जाए कि क्या सरकार या फिर उसकी किसी एजेंसी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर जासूसी के लिए पेगासस स्पाइवेयर का इस्तेमाल किया है? क्या पेगासस स्पाइवेयर का लाइसेंस लिया गया? पिटीशनर्स ने ये भी कहा है कि मिलिट्री ग्रेड के स्पाइवेयर से जासूसी करना निजता के अधिकार का उल्लंघन है। पत्रकारों, डॉक्टर्स, वकील, एक्टिविस्ट, मंत्रियों और विपक्षी दलों के नेताओं के फोन हैक करना बोलने की आजादी के अधिकार से समझौता करना है।

क्या है पेगासस विवाद?

खोजी पत्रकारों के अंतरराष्ट्रीय ग्रुप का दावा है कि इजराइली कंपनी एनएसओ (हस्ह्र) के जासूसी सॉफ्टवेयर पेगासस से 10 देशों में 50 हजार लोगों की जासूसी हुई। भारत में भी अब तक 300 नाम सामने आए हैं, जिनके फोन की निगरानी की गई। इनमें सरकार में शामिल मंत्री, विपक्ष के नेता, पत्रकार, वकील, जज, कारोबारी, अफसर, वैज्ञानिक और एक्टिविस्ट शामिल हैं।

मोदी सरकार ने बताया

कोरोना के कारण 645 बच्चों ने अपने माता-पिता को खोया

नई दिल्ली (ए)। मोदी सरकार ने बताया कि देश भर में 645 बच्चों ने कोरोना के कारण अपने माता-पिता को खो दिया। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने गुरुवार को सवाल के लिखित जवाब में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा दी की गई जानकारी के अनुसार, अप्रैल 2021 से 28 मई 2021 तक कुल 645 बच्चों ने कोविड महामारी में अपने माता-पिता को खो दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसतरह के बच्चों की सहायता के लिए 'पीएम केयर्स' बाल योजना की घोषणा की है, जिन्होंने कोविड-19 के कारण अपने दोनों माता-पिता या कानूनी अभिभावक खो दिए हैं। इस योजना में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के लिए सहायता का प्रावधान है और यह प्रत्येक बच्चे के लिए दस लाख रुपए के कोष का निर्माण करेगी जब उनकी आयु 18 साल हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इसतरह के बच्चों की संख्या आंध्र प्रदेश में 119 व गुजरात में 45 है जबकि मध्य प्रदेश में 73, महाराष्ट्र में 83 और उत्तर प्रदेश में 158 है।

उपचुनाव में लिए भाजपा और कांग्रेस में तेज हुआ मंथन

प्रत्याशी कोई भी हो दांव पर शिव-नाथ की साख

भोपाल। मप्र में एक लोकसभा और तीन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। दावेदारों ने भी सक्रियता बढ़ा दी है। वहीं दोनों पार्टियों में मंथन तेज हो गया है। लेकिन एक बात तो यह है कि उपचुनावों में प्रत्याशी कोई भी क्यों न हो साख तो शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ की ही दांव पर होगी। भाजपा जहां शिवराज सरकार, भरोसा बरकरार के भरोसे है, तो कांग्रेस कमल नाथ सरकार के 15 महीने कार्यकाल के ओबीसी वर्ग को आरक्षण और किसानों की कर्ज माफी पर दांव लगाने को तैयार है। हालांकि लोकसभा की एक और विधानसभा की तीन सीटों पर जीत-हार से सत्ता की सेहत पर फर्क नहीं पड़ेगा। दरअसल, पिछले साल शिवराज सिंह चौहान ने जब चौथी बार सत्ता की कमान संभाली, तब कोरोना मप्र में दस्तक दे चुका था। चौहान इसकी पहली लहर से प्रदेश को उबारने में पूरी तरह कामयाब हो पाते, इससे पहले ही दूसरी लहर ने भी अपना असर दिखाया। ऐसे में उनका अब तक का करीब 16 महीने का कार्यकाल कोरोना की चुनौतियों से निपटने में ही निकल गया। समर्थन मूल्य पर खरीदी, कमजोर तबके को मदद, जरूरतमंद विभिन्न वर्गों के लोगों को आर्थिक सहायता सहित कई उपलब्धियां कोरोना से इतर रहीं हैं।

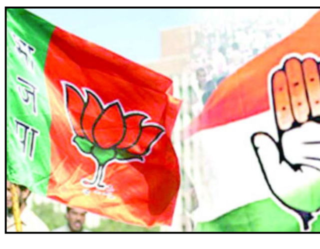

भाजपा गिनाएगी शिवराज की उपलब्धियां: कोरोना संक्रमितों के लिए इलाज, दवा, इंजेक्शन, ऑक्सीजन और बेड की व्यवस्था के अलावा शिवराज सरकार ने वैक्सीनेशन में रिकॉर्ड स्थापित किया है। ये उपलब्धियां चूंकि चौहान के खाते में जाती हैं और वह भाजपा का जिताऊ चेहरा रहे हैं तो पार्टी कोई जोखिम लेने के बजाय चौहान को आगे कर रही है। इसका एक और लाभ होगा कि प्रदेश में सत्ता का चेहरा बदलने की अफवाहों का खुद ही खंडन हो जाएगा और बदलाव की अटकलें खारिज हो जाएंगी। भाजपा के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल कहते हैं कि केंद्र की मोदी सरकार प्रदेश की शिवराज सरकार और संगठन की शक्ति के आधार पर भाजपा ये उपचुनाव लड़ेगी। बहुत स्वाभाविक है कि प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि जो जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, योजनाओं और सेवा व संवेदना से स्थापित हुई है, वह हमारा एक मजबूत पक्ष है।

संक्षिप्त समाचार

बाढ प्रभावित लोगों के राहत कैम्प में पहुंची यशोधरा राजे सिंधिया

शिवपुरी। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने बैराड़ में बाड़ प्रभावित लोगों के लिए कस्तूरबा छात्रावास में बने राहत कैम्प का निरीक्षण किया। वहाँ ठहरे ग्रामीणों का हालचाल जाना और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि यहां खाने पीने की व्यवस्था दुरुस्त रहे। साफ सफाई का भी ध्यान रखें। यहां ठहरे लोगों को कोई समस्या न हो।

सेक्टरवार सर्वे करें और लोगो की समस्या निराकरण के लिए कंट्रोल रूम बनाये - मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया

पीएचई को दिए निर्देश

शिवपुरी। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने पेयजल व्यवस्था को लेकर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सेक्टरवार सर्वे करें और पेयजल स्त्रोत को ठीक करें। पीएचई विभाग के ईई ने बताया कि अभी क्लोरीनेशन का काम चल रहा है। टीम द्वारा सर्वे किया जा रहा है। सैंपलिंग की जा रही है और पेयजल स्त्रोत को चालू किया जा रहा है। इस पर मंत्री सिंधिया ने निर्देश देते हुए कहा कि सेक्टर बनाकर काम करे और सूचना भी जारी करें। जिससे लोगो को जानकारी होगी।मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने निर्देश दिए हैं कि पीएचई द्वारा एक कंट्रोल रूम बनाकर उसका नंबर जारी किया जाए जिस पर लोग अपनी समस्या बता सकें और तत्काल समस्या का निराकरण किया जा सके, इसप्रकार की व्यवस्था बनाएं।

नियम विरूद प्रभारी बने बैठे सीएमओ गोविंद भार्गव को कोर्ट के आदेश पर हटाया, शैलेन्द्र अवस्थी ने लिया प्रभार

शिवपुरी। जिले में नगर पालिका परिषद में सीएमओं के पद पर नियम विरूद्ध जमें बैठे स्वास्थ अधिकारी गोविंद भार्गव को गुरुवार माननीय न्यायालय के आदेश सीएमओं के पद से हटा दिया है। उनके स्थान पर शासन ने शैलेन्द्र अवस्थी को प्रभार सौंपा गया है। शिवपुरी नगर पालिका में गुरुवार को शैलेन्द्र अवस्थी ने सीएमओ का प्रभार ले लिया,अभी स्वास्थ्य अधिकारी गोविंद भार्गव पर प्रभार था जो नियम विरुद्ध था जिसके खिलाफ पत्रकार के.के.दुबे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी,याचिका के बाद शासन ने गोविंद भार्गव को हटाकर शैलेन्द्र अवस्थी को भेजा है।

सिंध का पानी पीकर जिंदा थे लोग

गोराटीला पर फंसे डायमंड कंस्ट्रक्शन के कर्मचारी कई लोगों का किया आर्मी ने एयरलिफ्ट

शिवपुरी।

कोलारस अनुविभाग में जीवन दायिनी सिंध नदी मे आई बाढ के कारण लोगो को जीवन के लिए संघर्ष करना पडा रहा हैं। गोराटीला में सिंध के सैलाब में फसे कई लोगो का गुरुवार को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। इन सभी फसे लोगो को एयरलिफ्ट किया गया है। यह सभी लोग रविवार से फसे हुए थे। और 4 दिन से जीने की जिद लेकर मौत से मुकाबला कर रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोराटीला के दोनो ओर से सिंध नदी निकल रही हैं। गोराटीला पर पुल का निर्माण काम चल रहा हैं। इस पुल का निर्माण डायमंड कंस्ट्रक्शन कंपनी के द्वारा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुल के निर्माण में कंपनी के कर्मचारी और लेवर लगी हुई थी।

रविवार की शाम से बारिस के कारण सिंध नदी ने सीमाए लांघ दी और गोराटीला को चारो ओर से घेर लिया गोराटीला टापू बन गया चारो ओर केवल सिंध का पानी ही दिखाई दे रहा था। पुल का निर्माण कर रहे कंपनी के कर्मचारी और मजदूर इस टापू पर फंस गए। जिनकी संख्या तकरीबन 24 बताई जा रही थी। इन लोगो को गुरूवार की दोपहर आर्मी के हैलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट कराया गया। बाढ की चपेट में आए कंपनी के साईड मैनेजर गौतम वर्मन ने बताया कि गोराटीला पर हमारी 2 टीमे काम रही थी। एक टीम को प्रशासन ने कल रस्सी की सहायता से दूसरी ओर से निकल लिया। हमारी तरफ बहाव अधिक था इस कारण हमे आज आर्मी ने एयरलिफ्ट किया है। गौतम वर्मन ने बताया कि हम रविवार सें फसे हुए थे। हम वहां पर पुल के वीम बना रहे थे तभी अचानक सिंध में सैलाब आ गया। हम फस गए हमारे पास केवल रविवार का ही खाना था जिसको हमने रविवार को खा लिया था 3 दिन से हम सिर्फ सिंध का पानी पीकर ही जिंदा है। मीडिया कर्मियों को जानकारी देते हुए साईड मैनेजर गौतम वर्मन ने कहा कि हम करीब 24 लोग फसे हुए थे। हमारी कंपनी के जीपीएम हलारी लाल से बातचीत मोबाईल से हो रही थी वह हमे भरोसा देते रहे की आपके पास मदद पहुंचेगी। हम शिवपुरी के प्रशासन से संपर्क में है। बरसते पानी में रात गुजारने के विषय में कहा कि आदिवासी जो गांव खाली करके चले गए थे। उनकी झोपिडयो में हमने रात गुजारी। बस ईश्वर से प्रार्थना करते रहे की पानी का जलस्तर न बडे। ऐसी विपरित हलातो में हमने सबने एक दूसरे का संभाला,बस जो हमारे प्राण लेने को उतारू सिंध थी वही हमारी जीवनदायिनी बनी,उसी का जल पीकर हम जिंदा हैं। प्रशासन ने इन लोगो को सुरक्षित निकला और 15 लोगो को कोलारस स्वास्थ केंद्र में चैकअप के लिए ले जाया गया बाकी लोगो को शिवपुरी स्वास्थय परिक्षण के लिए हैलीकॉफ्टर सीधे ही रेस्क्यू कर ले जाया गया है।

यह लोग फसे थे गोराटीला पर

जयंत वर्मन उम्र 19 साल,भूपाल वर्मन उम्र 23 साल,बुधन उम्र 22 साल,सुरजीत 23 साल,संजय 21 साल,आंनदो उम्र 30 साल,मेघनाथ राय उम्र 50 साल,राकेश 26 साल,भास्कर 18 साल,कमल 17 साल,सोभल 16 साल,प्रताप 20 साल,मिलन 30 साल,गौतम वर्मन 32 साल और मोनद 21 साल का रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला है। इसने अतिरिक्त 9 लोग ओर है जिन्है कोलारस ने जाते हुए शिवपुरी ले जाया गया है।

यह रहे मौके पर मौजूद

गोराटीला पर विधायक वीरेन्द्र रघुवंशी,कोलारस एसडीएम गणेश जयसवाल,एसडीओपी अमरनाथ वर्मा तहसीलदार और अन्य शासकीय अमला था।

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया के सख्त निर्देश, शहर में नहीं दिखना चाहिए गंदगी

शिवपुरी

मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया शिवपुरी भ्रमण पर हैं। शहर की व्यवस्थाओं को लेकर उन्होंने गुरुवार को अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने साफ सफाई को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में गंदगी नहीं दिखना चाहिये। शहर की व्यवस्था ठीक नहीं होगी तो संबंधित पर कार्यवाही की जाएगी। गुरुवार को शिवपुरी नगरपालिका के नए सीएमओ ने भी जॉइन कर लिया है। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने सीएमओ को शहर की व्यवस्थाओ में सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा है कि नगरपालिका का अमला ड्रेस में दिखना चाहिये। अधिकारी शहर में भ्रमण करें और इस दौरान जो सफाईकर्मी अनुपस्थित मिलेंगे उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कचरा गाड़ी में ही डालें कचरा

घरों से कचरा एकत्रित करने के लिए कचरा गाड़ी सभी वार्डो में जाती हैं। सभी शहरवासी कचरा गाड़ी में ही कचरा डालें। अपने घरों के आसपास कचरा न फैलाएं। अपने शहर को गंदा न करें। शहर को साफ स्वच्छ रखने में सभी शहरवासियों की भूमिका जरूरी है। मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने यह भी कहा कि अधिकारी भी ध्यान दें। कॉलोनियों में जहां कही मलवा पड़ा है उसे साफ करायें।

शिवपुरी एवं श्योपुर में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में जिला मुख्यालय तथा तहसील मुख्यालय के सभी 11 के.व्ही. फीडरों से विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। जिले के 161 घरेलू फीडरों में से 101 फीडरों पर विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। कुछ फीडर आंशिक रूप से चालू किये गये हैं। बंद फीडरों पर लगातार सुधार कार्य कर विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से बहाल करने का कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार जिले में 33/11 के.व्ही. के 98 उपकेन्द्र में से 74 उपकेन्द्र चालू किये जा चुके हैं। अत्यधिक बारिश एवं बाड़ ग्रस्त क्षेत्रों के 24 उपकेन्द्र पहुँच से दूर हैं। इसी प्रकार श्योपुर जिले में 11 के.व्ही. के 45 कृषि एवं आबादी फीडर पर वर्तमान में विद्युत आपूर्ति चालू है। वहीं दूसरी ओर 11 के.व्ही. के 266 कृषि तथा आबादी फीडर पर बारिश एवं बाड़ के चलते विद्युत आपूर्ति बंद है। इन सभी बंद फीडरों पर विद्युत आपूर्ति सामान्य करने के लिए वर्तमान में कार्य जारी है। इसी प्रकार श्योपुर जिले में 33/11 के.व्ही. के 78 उपकेन्द्र में से 40 उपकेन्द्र चालू हैं एवं 34 उपकेन्द्र बंद है तथा अत्यधिक बारिश एवं बाड़ ग्रस्त क्षेत्रों के 30 उपकेन्द्र पहुँच से दूर हैं। श्योपुर जिले के 131 नंबर पॉवर ट्रांसफार्मर वर्तमान में चालू हैं एवं 12 नंबर पॉवर ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हुए हैं।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक, उपमहाप्रबंधक, सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता एवं लाईन स्टाफ द्वारा श्योपुर एवं शिवपुरी में क्षतिग्रस्त विद्युत प्रणाली में सुधार कार्य तेजी से किया जा रहा है। बाड़ की स्थिति कंट्रोल में आते ही विद्युत आपूर्ति को जल्द ही बहाल कर दिया जाएगा।

ज्वैलर्स की दुकान पर गहने खरीदने के बहाने चुराए जेवर, 2 युवती गिरफ्तार

शिवपुरी।

खबर जिले के पिछोर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भौती कस्बे की हैं। जहाँ भौती कस्बे में स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान से खरीददारी करने आई महिलाओ ने गहने चुरा लिए। दुकान संचालक की सूचना पर पुलिस ने 2 युवतियों को गिरफ्तार करते हुए चुराए हुए गहने में से कुछ गहने जब्त किए हैं। भौती कस्बे के ज्वैलर्स कुलदीप सोनी ने बताया कि मेरी दुकान पर चार महिलाएं आईं जो देखने में बाहर की लग रही थीं। उन्होंने सोने की बाली दिखाने को कहा, पत्नी ने बाली दिखा दीं इसके बाद उन्ही की साथी दो महिलाएं और आ गईं। पत्नी से दूसरा समान दिखाने को कहा और बातों में लगाकर पास में रखे बैग में से सोने की चूड़ी, अंगूठी, टॉप्स, पायल, बिछिया पार कर ले गईं। महिलाओ के जाने के बाद समान मिलाया तो समान गायब दिखा इसके बाद हमने तत्काल कैमरे चैक किए तो चोरी की वारदात सीसीटीबी कैमरे में रिकार्ड हो गई। जिसपर तत्काल घटना की जानकारी थाने पर दी। सूचना पर थाना प्रभारी पूनम सविता ने सोने की दुकान से जैसे ही चोरी की घटना की जानकारी मिली तो सक्रिय होकर दो महिलाओं को बाजार से पकड़ लिया और थाने पर लाकर उनसे पूछताछ की गई।

सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई सारी घटना

सोने चांदी की दुकान से गहने पार करते हुए महिलाएं सीसीटी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस ने इनसे चांदी की पायलें, बिछिया बरामद किए हैं। महिलाओं ने अपना नाम बूंदीबाई पत्नी रुक्माल पादरी उम्र 45 व खाजा बाई पुत्री रुक्माल पादरी उम्र 20 निवासी रेलवे स्टेशन के पास झांसी की बताया है। थाना प्रभारी के अनुसार इनकी साथी चार महिलाएं भागने में सफल रहीं। दुकानदार द्वारा चोरी के माल की कीमत 90 हजार की रिपोर्ट की है।

वायुसेना का हेलीकाप्टर ध्रुव बना देवदूत, बचाई चार लोगों की जान

शिवपुरी। भारी बारिश से कारण आई बाढ़ में जिले के कई इलाके पानी में डूबकर टापू बन चुके हैं। शिवपुरी जिले के ग्राम चिताहरी जहां वायुसेना के हेलीकॉप्टर ध्रुव ने चार लोगों की जान बचा ली। चिताहरी के पास कोरवा इलाके में ये लोग एक घर की छत पर अटके हुए थे। चारों तरफ पानी था कहीं से बच निकलने का कोई रास्ता नहीं था। जिस घर की छत पर ये लोग बैठे थे वो भी आधे से ज्यादा पानी में डूब चुका था और पानी अगर बढ़ता तो इनके लिए जान बचाना मुश्किल हो जाता। ऐसे में वायुसेना का हेलिकॉप्टर ध्रुव और उसके पायलट देवदूत बनकर आए। इन सभी से पहले जमीन की तरफ लेट जाने को कहा गया था इसके बाद हेलिकॉप्टर को एक निश्चित सीमा तक नीचे ले जाया गया और फि र एक.एक कर हाथ पकड़ कर चारों को हेलिकॉप्टर पर चढ़ा लिया गया। इस दौरान हेलिकॉप्टर के पंखों की वजह से काफी तेज हवा भी चल रही थी। चारों लोगों ने हेलिकॉप्टर पर आकर राहत की सांस ली, सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया है। जिला इस समय भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। शिवपुरी, श्योपुर, दतिया, ग्वालियर, गुना, भिंड और मुरैना जिले बाढ़ ने भारी नुकसान किया है।

मनियर तालाब हाई रिस्क पर, तीन घंटे के अंदर कॉलोनी खाली करने के लिए कहा

शिवपुरी।

अचानक मनियर में उस समय हडकंप मच गया जब एसडीएम अरविंद बाजपेयी ने माईक से अनांसमेंट किया कि वहां के निवासियों को तीन घंटे का समय दिया जाता है। 3 घंटे में वह पूरी कॉलोनी खाली कर दें। इस इल्टीमेंटम के बाद कॉलोनी में हंगामा मच गया।उसके बाद प्रशासन ने तत्काल जेसीबी बुलाकर इस क्षेत्र में बने पुराने नाले पर बने एक मकान को जमींदोज कर दिया। जिसके चलते यहां लोगों की भीड़ लग गई। एसडीएम अरविंद बाजपेयी ने बताया है कि मौसम विभाग के अलर्ट के बाद यहां कार्यवाही की जा रही है। यह तालाब महज अभी 10 फिट खाली है।एसडीएम बायपेयी ने बताया है कि मौसम विभाग के अलर्ट के चलते उन्होंने यह कदम उठाया है। जिसके चलते मनियर बस्ती के लोगों को यह बस्ती खाली करने का अल्टीमेटम दिया गया है। यहां से बस्ती के लोगों को अस्थाई रूप से मानस भवन और होस्टल में सिप्ट किया जा रहा है।परंतु यहां के रहबासी इस जगह को किसी भी स्थिति में खाली करने तैयार नहीं है। जिसे लेकर एसडीएम ने तत्काल जेसीबी बुलवाकर यहां के नाले पर बने एक मकान को जमींदोज कर दिया है। जिसपर जमींदोज हुए मकान मालिक का कहना है कि यह कार्यवाही भाजपा के कोषाध्यक्ष दिलीप मुदगल के इशारे पर चल रही है। एसडीएम ने कहा है कि वह जल्द ही इस बस्ती को खाली करा रहे है। अगर फिर भी पब्लिक नही मानेगी तो वह जबरन प्रशासन और पुलिस की मदद से इस कॉलोनी को खाली कराएंगें। यहां के निवासी सदन सिंह भदौरिया ने बताया कि यहां 1 हजार के लगभग परिवार है। जिसमें लगभग 7 हजार लोग रहते है। अब इतने लोग कहा जाएगे। उन्होंने कहा कि इस तालाब की जो छरार है अगर वह गहरी हो जाए तो पानी आसानी से निकल जाएगा। जिससे न तो पब्लिक परेशान होगी और न ही प्रशासन। इसके साथ ही मनीयर में निवासी पूजा शर्मा ने बताया है कि तालाब में पानी भरने के बाद प्रशासन ने अब एक दम से आकर बोल दिया कि आप यह बस्ती खाली कर दो। अब एक साथ हम छोटे छोटे बच्चों और अपने सामान को छोडकर कहा जाएगे। जैसे ही यह खबर शहर में फैली शहर में हडकंप मच गया। अब इस तालाब के पानी निकले पर पूरे शहर में हाहाकार मचना तय है। अब देखना यह है कि प्रशासन इसका क्या तरीका निकालता है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ 7 अगस्त को आएंगे शिवपुरी,बाड़ प्रभावित क्षेत्रों का करेंगे दौरा

शिवपुरी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ शिवपुरी दौरे पर आ रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय चौकसे नेबताया कि कमलनाथ 7 अगस्त शनिवार को सुबह 11 बजे हैलीकॉप्टर द्वारा शिवपुरी आएंगे और क्षेत्रीय नेता केपीसिंह कक्काजू व जिलाध्यक्ष पं. श्रीप्रकाश शर्मा एवं अन्य नेताओं के साथ शिवपुरी जिले के बाड़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे और जिन्हें हानि हुई है उन परिवारों को शासकीय एवं पार्टीस्तर पर तथा व्यक्तिगत तौर पर राहत दिलाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान शुरूआत में वे शिवपुरी हवाई पट्टी पर सुबह 11:30 बजे पत्रकार वार्ता लेंगे इसके बाद स्थानीय नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे।

बाढ़ में फसे लोगों को हेलीकॉप्टर से किया जा रहा है एयरलिफ्ट

मेंहदा पुल से टकराया पानी, बहादुरपुर का पुल डूबा, दिन-रात आर्मी बचाव कार्य में जुटी

मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से कलेक्टर एवं एसपी से की चर्चा

भिण्ड। सिंध व चंबल नदी का लगातार जल स्तर बढ़ रहा है जिससे आसपास इलाके के गांव बाढ़ में डूबकर तबाह हो चुके हैं गांव में कई जिंदगियां फसी रह गई और अपनी-अपनी छतों पर चढ़कर प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। सिंध नदी का रौंद्र रूप अब तक कई गांव को तबाह कर चुका है, चंबल अंचल के बाढ़ में फसे लोगों को आर्मी के जवान हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित बाहर निकालकर ऊंचे स्थान पर पहुंचा रहे हैं। जिला प्रशासन, पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम के सहयोग से भारौली रोड स्थित चुन्नाई का पुरा में देर रात रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाढ़ में फसे लगभग 60 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर दिन रात एक कर बाढ़ में फसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भरकस प्रयास करने में जुटे हुए हैं। भारौल के मुसावली में बाढ़ में फसे लोगों हेलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित निकाला गया। इसके साथ रौन क्षेत्र के निवसाई, मडवारी, इंदुर्खी एवं माहयर में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर हेलीकॉप्टर के द्वारा बाढ़ में फसे लोगों को एयर लिफ्ट किया गया। एसडीआईआरएफ की टीम के द्वारा ग्राम ककहरा एवं अतरसूमा में रेस्क्यू चलाकर बाढ़ में फसे लोगों को सुरक्षित निकाला गया। भारौली एवं रौन क्षेत्र में गांव में पानी गांव में घुसा हुआ है। क'च मकान गिर रहे है। पुराने मकान गिरने की आशंका जताई जा रही है। पानी से घिरे लोग छतों पर बैठे है। वे निकल नहीं सके है। हालांकि लगातार जलस्तर बढ़ रहा है। पुलिस जवान इन लोगों को दूर से देख रहे हैं और रेस्क्यू चलाकर लोगों को बचाया जा रहा है लोग अपनी जान बचाने के लिए छतों पर चढ़कर सामान लेकर बैठ गये हैं और जिला प्रशासन से लगातार मदद की गुहार लगाए बैठे हुए हैं।

सेना के जवानों ने देर रात तक किया रेस्क्यू

जिला प्रशासन एवं पुलिस ने सेना एनडीईआरएफ, एसडीईआरएफ एवं हेलीकॉप्टर की सहायत से बाढ़ में फसे ग्रामीणों को निकालने के लिए देर शाम रेस्क्यू किया गया। रौन क्षेत्र के ग्राम पिड़ोरा, भारौली खुर्द में देर रात तक रेस्क्यू चलाकर लोगों को निकाला गया। प्रशासन ने सतर्कता को ध्यान में रखते हुए पुल पर आवागमन बुधवार की दोपहर से बंद कर दिया था। पुल पर केवल हल्के वाहनों को निकाला जा रहा है, रात में यह वाहन भी बंद कर दिए गए। यहीं रौन कस्बे के बघेली-बहादुरपुर में पानी भर चुका है। यहां सिंध नदी पर बना एक पुल पूरी तरह से डूब चुका है। यहां के लोग पलायन करने चुके हैं।

सीएम ने वीसी के माध्यम से कलेक्टर एवं एसपी से की चर्चा

गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भिण्ड कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह से भिण्ड में सिंध एवं चंबल के जलस्तर बढ़ने से आई बाढ़ के संबध में जानकारी ली। कलेक्टर एवं एसपी द्वारा मुख्यमंत्री को वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होनें बताया कि बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में राहत के कैम्प लगाकर लोगों को भोजन, पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही जिस गांव से सूचना प्राप्त हो रही है वहीं लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लोगों को बचाया जा रहा है। उन्होंने बताया की जिले में पुलिस, जिला प्रशासन, आर्मी,एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के द्वारा लगतार रेस्क्यू किया जा रहा है।

पॉवरमेक फाउंडेशन ने बाढ़ पीड़ितों को वितरण किया भोजन

सिंध नदी के सैलाब में हजारों लोग हो गये बेघर, भूखे लोगों को पहुंचाया खाना

भिण्ड। जिले में सप्ताहभर से लगातार बारिश हो रही है इसके साथ ही चंबल व सिंध नदी ने अपना रौंद्र रूप दिखाते हुए गांव को बाढ़ की चपेट में ले लिया है जिस कारण कई लोग गांव में फंसे रहे गये, जिन्हों सुरक्षित स्थान पर निकालने के लिए जिला प्रशासन एवं फौजी भाई दिन-रात रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर ग्रामीणों को सुरक्षित बाहर निकाल रहे हैं लेकिन उनके आगे अब भूख की समस्या खड़ी हो गई और इस मुसीबत के समय पॉवरमेक फाउंडेशन की ओर से कार्यकर्ता भूखे लोगों को भोजन की दिनरात व्यवस्था कराने में लगे हुए हैं। सिंध के सैलाब में लोगों का घर-गृहस्थी का सामान बह गया है और खाने-पीने के प्रबंध नहीं है और उनकी मदद करने के लिए कई समाज सेवी भी आगे आ रहे हैं वहीं पॉवरमेक फाउंडेशन की ओर से कई गांव में अलग-अलग टीमे भोजन भेजकर लोगों का पेट भरने का काम करने में जी जान से जुटी हुई है। रौन, मेहगांव तहसील के अलग-अलग इलाक़ों में लोगों के बीच पहुंचकर भोजन व्यवस्था कराकर सहयोग किया।

शिवराज का पूरा जीवन समाज सेवा के लिए रहा : भारद्वाज

मेहगां। शिवराज सिंह का पूरा जीवन समाज सेवा के लिए रहा उनकी कमी समाज को हमेशा महसूस होती रहेगी यह बात क्षेत्र के बरिष्ठ समाजसेवी अशोक भारद्वाज ने मेहगांव क्षेत्र के गांव टकपुरा में क्षत्रिय विकास संघ द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कही उन्होंने कहा समाज उसे ही हमेशा याद करता जो ब्यक्ति समाज के लिए कुछ करता है शिबराज जी ने जीवन पर्यन्त समाज सेवा की थी इसीलिए समाज आज उनको याद कर रहा उनके द्वारा समाज को दिए गए संस्कार हमेशा स्मरणीय रहेंगे इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने समाजसेवी शिवराज सिंह सिकरवार उर्फ फक्कड़ को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी इस अबसर पर मुख्य रूप से सेवढ़ा विधायक घनश्याम सिंह पूर्व विधायक रसाल सिंह रणजीत सिंह गुर्जर क्षत्रिय विकास संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह जादोन, नाथू सिंह, सन्त स्वरूपानंद, बरजोर सिंह चौहान, अविलाख सिंह चौहान, कोकसिंह सिकरवार, प्रमोद सिंह चौहान मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जलजनित एवं संक्रमित बीमारियों से रहें सावधान

भिण्ड । अंचल में अतिवृष्टि (बर्षाकाल) में जगह-जगह पानी भर जाने के कारण जल श्रोत बन जाते हैं जिसके कारण संक्रमित बीमारियां एवं म'छरजन्य परिस्थितियां निर्मित हो जाती हैं जिससे खांसी जुकाम, उल्टी, टाईफाईड, त्वचा रोग, पीलिया एवं म'छरों की उत्पत्ति बढ जाने से मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया फैलने की संभावना भी बढ जाती है। कुछ सावधानियां रखने पर म'छरजन्य परिस्थितियों को समाप्त करने से म'छरों की उत्पत्ति पर रोक लगाई जा सकती है एवं जल जनित एवं संक्रमित बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है। जिला मलेरिया अधिकारी डा. बीआर. आर्य द्वारा जनसमुदाय से अपील है कि मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया से बचाव हेतु सावधानियां बरती जाना अति आवश्यक है जैसे-म'छर से बचने के लिए पूरे बांह के कपडे पहने, सोते समय म'छरदानी का उपयोग करें, सोते समय म'छर भगाने वाली अगरवत्ती, रैपिलेंट आदि का उपयोग करें, घर के आस-पास गडढों में पानी जमा न होने दें, यदि गडढे के पानी की निकासी किया जाना संभव न हो तो जला हुआ ऑयल अथवा मिटटी का तेल डाल दें, घर में पानी से भरे हुए वर्तन टंकी, मटका, वाल्टी आदि को अ'छी तरह ढक कर रखें तथा कूलर, टंकी, मटका, बाल्टी आदि का पानी सप्ताह में एक बार अवश्य बदलते रहे, तथा सुखा कर ही दुबारा भरे, पानी में छोटे-छोटे कीडे (लार्वा) दिखाई दे तो सूखी जगह पर पानी को फैला दें, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला भिण्ड डॉ.अजीत मिश्रा ने जानकारी देते हुये बताया कि अंचल में अत्याधिक बारिश हो रही है एवं जिले के कुछ क्षेत्र बाढ़ संभावित क्षेत्र हैं। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इस मौसम को बीमारियों का संक्रमण काल भी कहते हैं। क्योंकि इस समय कई प्रकार के कीटाणू आदि आसानी से प्रकृति में पनपने लगते हैं। इस मौसम हम सभी को कुछ सावधानियां बरतनी चाहिये जैसे कि हमेशा ताजे और स्व'छ सब्जी/फल का सेवन करें, (खाने से पहले फलों एवं सब्जियों को स्व'छ पानी से धोकर साफ कर लें खासकर हरी पत्तेदार सब्जियॉ), बासी भोजन, पहले से कटे हुये फल तथा दूशित भोजन का सेवन ना करें, हमेशा ताजा गर्म खाना खाऐं, इन दिनों में हमारी पाचन शक्ति सबसे कम होती है इसलिये जरूरी है कि अधिक तला-भुना खाना न खाया जाए, 'यादा ठंडा एवं खट्टा ना खाऐं, एवं घर में एवं घर के आसपास साफ-स्व'छ वातावरण रखना अति आवश्यक है। अनावश्यक पानी में भीगने बचना चाहिये। छोटे ब'चों एवं वृद्धों का विशेष ध्यान रखा जाना जरूरी है। इस मौसम में खांसी जुकाम, उल्टी, टाईफाईड, त्वचा रोग, पीलिया इत्यादि अनेकों रोग फैलते हैं। बीमार होने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सीय परामर्श पर उचित उपचार लें।

बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित निकालने का कार्य जारी है, आप धैर्य बनाये रखें : संजीव सिंह

एनडीआरएफ टीम, रेस्क्यू टीम, हैलीकॉप्टर की मदद से सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया

भिण्ड। सिंध नदी का जलस्तर बढ़ने से स्थिति अधिक भयावय हो गई है, रात में अचानक जलस्तर बढ़ने से बाढ़ प्रभावित का क्षेत्र बढ़ गया। जिससे कोई घर की छतों पर तो कोई ऊंचे टीले पर चढ़कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। इसकी सूचना जब विधायक संजीव सिंह पर पहुंची तो अल सुबह 5:×0 बजे अतरसूमा, ककाहरा गांव के लिए रवाना हो गए। जहां उन्होंने प्रशासन की मदद ली और संपर्क कर रहे बाढ़ पीड़ितों को वोट की सहायता से निकलवाया। विधायक संजीव सिंह ने बताया कि रात में सिंध नदी का जलस्तर बढ़ने से अतरसूमा, ककाहरा जैसे गांव भी बाढ़ की चपेट में आ गए। पानी के बहाव का प्रभाव इतनी तेज था कि लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंच पाते उससे पहले बाढ़ की चपेट में आकर फंस गए। जिसके बाद उन्होंने प्रशासन से मदद मांगी। प्रशासन से एनडीआरएफ टीम, रेस्कयू टीम व हैलीकॉप्टर की मदद से लोगों को बचाया गया। जो लोग सुरक्षित लौट आए हैं उनके खाने एवं रहने की व्यवस्था करा दी गई हैं। बाढ़ के प्रकोप से लोगों मन में भय व्याप्त हो गया है भिण्ड जिले के लगभग 20 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। स्थिति बेकाबू हो गई तो प्रशासन को एनडीआरएफ टीम की मदद लेनी पड़ी। ककहारा गांव की हवेली पर चार लोग फंसे हुए थे चूंकि वहां रेस्कयू टीम नहीं पहुंच पा रही थी, जिसके लिए हैलीकॉप्टर की मदद लेनी पड़ी। हैलीकॉप्टर की मदद से बाढ़ पीड़ितों को बचाया गया। रेस्कयू टीम द्वारा हर क्षेत्र में सर्चिंग की जा रही है जो लोग बाढ़ आपदा में फंसे हुए हैं उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है।

वोट में बैठकर बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों का लिया जायजा : अतरसूमा, ककाहरा जैसे बाढ़ ग्रसित क्षेत्रों का वोट में बैठकर जायजा लिया। टेहनगुर, जखमौली, द्वार, दाह के पुरा, खोंजरा, डुडियन, लहरौली, मडनई, खैरा, श्यामपुरा, ककाहरा का भ्रमण किया तथा क्वांरी नदी का जलस्तर बढ़ने से आसपास के गांव बघेड़ी, ईगुरी, बगुलरी, कचौगरा, परसौना, मिरचौली, बझाई का मजरा, गुवरिहाई, रमपुरा का मजरा, नागौर गांव, एवं चंबल नदी के किनारे के गांव ज्ञानपुरा बरही को खाली कराया जा रहा है।

अंचल में बाढ़ से प्रभावित हुए जनमानस को खाद्य सामग्री वितरण किया गया : गौरव शर्मा

पुष्पांजली जन कल्याण फाउंडेशन के युवा प्रदेश अध्यक्ष गौरव शर्मा ने बताया की आज डबरा में सिंध नदी से सटे गांव में बाढ़ से प्रभावित होकर काफ़ी लोग बेघर हो गए हैं एवं सिंध नदी पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारण आवागमन ठप हो चुका है इसके कारण लंबी दूरी से चल रहे ट्रकों की कतार लगी गई है आज हमारे बड़े भाई प्रशांत तिवारी जी एवं अपने मित्र भाजपा के युवा नेता अभिषेक शुक्ला जी एवं वैभव दुबे पिंटू गुर्जर के सहयोग से ग्रामीणों जो अपने गांव से पलायन कर रहे हैं एवं जाम में फंसे हुए वाहन चालकों एवम सुरक्षाकर्मी को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

बाढ प्रभावित क्षेत्रों का कलेक्टर एवं एसपी लगातार भ्रमण कर स्थिति का ले रहे है जायजा

प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए किया जा रहा रेस्क्यू

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा बाढ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लगातार लिया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं पुलिस की निगरानी में सेना के जवानो एवं हैलीकॉप्टर के माध्यम से तथा स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों द्वारा बोट आदि से बाढ प्रभावितो को हर संभव सुरक्षित जगह पहुंचाने की कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आज भारौली रोड स्थित चुन्नाई का पुरा, भारौली, मुसावली, निवसाई, मडावरी एवं माहयर, इदुरखी, ककहरा, अतरसूमा, रौन के पिडोरा, अटेर के ग्राम कोषण सहित अन्य गांवो का भ्रमण कर बाढ की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ,पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह की मौजूदगी में जिला प्रशासन, पुलिस ने एनडीआरएफ की टीम के सहयोग से भारौली रोड स्थित चुन्नाई का पुरा में देर रात रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर बाढ़ में फसे लगभग 60 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिनमे 'यादातर महिलायें एवं वृद्ध व्यक्ति शामिल रहे। ग्राम भारौली पर तैनात एनडीईआरएफ की टीम के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया जा चुका है। जिसके अंतर्गत भारौली एवं मुसावली में बाढ़ में फसे व्यक्तियों को हेलीकॉप्टर के द्वारा एयरलिफ्ट किया जा रहा है। एनडीईआरएफ की एक और टीम के द्वारा निबसाई से रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया जाकर मडावरी एवं माहयर में बाढ़ में फसे व्यक्तियों को निकालने का कार्य कर रहे है। साथ ही ग्राम हिलगवां तहसील रोन में ×0 लोगों को सफलतापूर्वक एअरलिफ्ट किया जा चुका है। अन्य बाढ प्रभावित क्षेत्रो में भी एनडीआरएफ की टीम एवं हेलीकॉप्टर के द्वारा भी फसे व्यक्तियों को एयरलिफ्ट किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। जिला प्रशासन एवं पुलिस के द्वारा सेना एनडीईआरएफ, एसडीईआरएफ एवं आर्मी के द्वारा इदुरखी, रौन अंतर्गत गांव पिडौरा, सुरपुरा अन्तर्गत ग्राम कोषण में रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया जाकर बाढ़ में फँसें व्यक्तियों को निकालने का कार्य कर रहे है। एसडीईआरएफ की टीम के द्वारा ककहरा एवं अथरसूमा में रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया जाकर बाढ़ में फसे व्यक्तियों को निकालने का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक बाढ से प्रभावित गांवो के व्यक्तियों से लगातार चर्चा की जा रही है। उन्होंने बताया कि चंबल एवं सिंध नदी के कारण प्रभावित ग्रामीण व्यक्तियों को निकालने का कार्य लगातार जारी है।

जिला स्तरीय टेलन्ट सर्च का आयोजन-2021 इच्छुक खिलाडी अपने रजिस्ट्रेशन ऑनलाईन करें

भिण्ड । संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा इस वर्ष खेल अकादमियों के लिये टेलेन्ट सर्च का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें 7वीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के बालक/ बालिका खिलाड़ी जिसकी आयु कम से कम 12. हो, भाग लेने का निर्णय लिया गया है। उक्त टेलेन्ट सर्च 24 अगस्त से 04 सितम्बर 2021 के मध्य जिला मुख्यालय पर आयोजित किया जावेगा। इस हेतु ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन फार्म में खिलाड़ियों को 09 अगस्त 2021 की प्रातः 08:00 बजे से 18 अगस्त 2021 की रात्रि 11:59 बजे तक जानकारी उक्त वेबसाईट पर दर्ज करना होगी तथा खिलाड़ी विभागीय पोर्टल पर जाकर भी अपना रजिस्ट्रेशन कर सकते है। खिलाड़ी अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, पुलिस लाईन भिण्ड में सम्पर्क कर सकते है।

बाढ़ की समस्या

मध्यप्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हालात खराब हैं और कई जगह सेना को बुलाना पड़ा है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर और दतिया में लगातार हो रही बारिश से लगभग 1,171 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। शिवपुरी में 200 से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी हर पल की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं और राज्यों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। अमूमन हर साल इन दो-तीन महीनों के दौरान बरसात की वजह से देश के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात आम हैं। लेकिन हर साल इस वजह से होने वाली तबाही से शायद ही कोई सबक लिया जाता है। नतीजतन, हर अगले साल बाढ़ से होने वाली बर्बादी का पैमाना घटता नहीं है, बल्कि कई जगहों पर यह व्यापक हो जाता है। इस साल एक बार फिर लगातार बरसात से कई राज्यों में बाढ़ ने विकराल रूप अख्तियार कर लिया है और तबाही का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। यों बाढ़ और बर्बादी के लिहाज से बिहार को एक खास पहचान-सी मिली हुई है और मान लिया जाता है कि वहां इस मौसम में लोग बरसात और बाढ़ को लेकर अभ्यस्त हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इसे एक गंभीर समस्या के रूप में देखने के बजाय इससे निपटने के प्रति उदासीनता या लापरवाही की वजह से नुकसान का दायरा बड़ा हो जाता है। इस साल हालत यह है कि गंगा, बागमती, गंडक, पुनपुन और घाघरा सहित कई अन्य नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पूर्वानुमान के मुताबिक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो-तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है, जिसके दायरे में गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तराखंड सहित 11 राज्य आ सकते हैं। मौसम विभाग ने सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है। दरअसल, पिछले कई सालों की तरह इस बार भी बरसात की शुरुआत के बाद से ही देश के अनेक राज्यों की नदियों में उफान आ गया और उसके तटीय इलाके पहले ही बाढ़ के दायरे में थे। अब पिछले कुछ दिनों से लगातार बरसात की वजह से बाढ़ वाले तमाम इलाकों में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है। ऐसे में जान-माल को होने वाले नुकसान का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सही है कि बरसात मौसम के प्राकृतिक चक्र का अनिवार्य हिस्सा है और बाढ़ को भी प्राकृतिक आपदा माना जाता है। लेकिन बाढ़ जितनी कुदरती तौर पर मनुष्य के लिए संकट बनती है, उससे ज्यादा यह मनुष्यों की व्यवस्था की वजह से कहर बरपाती है। शायद ही कभी बांध बनाते हुए दूरगामी असर या नतीजों का आकलन किया जाता है। नदियों को बांध कर तात्कालिक तौर पर कोई फायदा तो सुनिश्चित कर लिया जाता है, लेकिन उसमें पानी जमा होकर जब एक सीमा से अधिक हो जाता है, तब आखिर उसे छोड़ना ही पड़ता है। यानी जो पानी अपनी सहज गति से नदियों के अपने रास्ते से निकल जाता, वह बांधों की वजह से तबाही की शक्ल ले लेता है। शहरों में पानी की निकासी की व्यवस्था को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखी जाती है, उसमें नदियों में आने वाले बाढ़ की तो दूर, बरसात का पानी ही जमा होकर बाढ़ के रूप में तबाही मचाने लगता है। बाढ़ एक आपदा के रूप में हर साल हमें एक सबक देकर जाती है। अफसोस की बात यह है कि उससे सबक लेने और अगली बार उससे निपटने की उचित तैयारी करने के बजाय हम फिर अगले साल की बाढ़ का इंतजार करने लगते हैं। जाहिर है, बाढ़ के कहर का सामना करना एक तरह से हमारी नियति हो जाती है, जो टाली जा सकती थी।

धरती कहे पुकार के मत रौंदे तू मोय वरना वो दिन आएगा मैं रौंदूंगी तोय

ऋतुपर्ण दवे

जहां बारिश ने फिलाहाल दुनिया भर में जगह-जगह न केवल पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए वहीं बेतहाशा गर्मी ने भी तमाम जगह तबाही मचाकर भविष्य के लिए बुरे संकेत भी दे दिए। बावजूद इसके इंसानी करतूतों में बदलाव नहीं आना ठीक वैसा ही जैसे आ बैल मुझे मार! मौजूदा आँकड़े और पुराने दस्तावेज बताते हैं कि सूखा और बारिश सृष्टि की रचना के साथ ही प्रकृति के अभिन्न हिस्से जरूर रहे हैं और कहीं बारिश की तबाही तो कहीं सूखे की मार का जिक्र इतिहासों के पुराने पन्नों में भी दर्ज है। लेकिन ऐसा खौफनाक मंजर धरती के इतने बड़े भूभाग पर एक साथ इस कदर दिखा हो याद नहीं आता। सभी को प्रकति के उन इशारों को समझना होगा, चेतना होगा और रू-ब-रू होकर दूरियां बनानी होगी जो मौजूदा हालातों के लिए जिम्मेदार हैं।

बीते बरस प्राकृतिक आपदाओं के कारण दुनिया भर में बेघर हुए लोगों की संख्या 10 बरसों में सबसे ज्यादा रही। जहां साढ़े 5 करोड़ लोग अपने ही देशों में विस्थापित हुए वहीं ढ़ाई करोड़ से ज्यादा दूसरे देशों में शरणागत हुए। चीन के हेन्नान में एक हजार साल के रिकॉर्ड में पहली बार इतनी बारिश हुई कि बड़ी संख्या में लोग मारे गए, सड़कों पर हफ्तों पानी भरा रहा। यूरोप में दो दिन में ही इतना पानी बरसा जितना दो महीने में बरसता है। नदियों के तट टूट गए। पानी गांवों और शहरों में जा घुस और हजारों घर, दूकान, दफ्तर, अस्पताल सब पानी-पानी हो गए। जर्मनी और बेल्जियम में सैकड़ों मौतें हो गईं। सदियों पुराने बसे और आबाद गांव एक ही रात में बह गए। भारत में भी महाराष्ट्र, उप्र, उत्तराखण्ड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, मप्र, बिहार, झारखण्ड प.बंगाल, सहित दक्षिणी राज्यों कुल मिलाकर पूरे देश का काफी बुरा हाल है। हर कहीं बारिश की तबाही की नई और खौफनाक तस्वीरें काफी डराती हैं।

तबाही की वजह केवल बारिश और बाढ़ ही हो ऐसा नहीं है। अमेरिका के वाशिंगटन और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में हीट डोम बनने के चलते हवा एक जगह फंसी रह गई जिससे तापमान 49.6 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। वहीं अमेरिका के ऑरेगन के जंगल में लगी आग ने दो हफ्ते में ही लॉस एंजेलेस जितना इलाका जलाकर राख कर दिया। अंदाजा ही काफी है कि पर्यावरण को कितना जबरदस्त नुकसान हुआ होगा। बरसों बरस रहे हरे-भरे जंगल का क्षेत्र वीरान रेगिस्तान में तब्दील हो गया। इतनी ही नहीं यहां के सुलगते जंगलों की जलती लकड़ी का धुंआ न्यूयार्क के लोगों की सांसों पर अलग भारी पड़ रहा है। ब्राजील का मध्यवर्ती इलाका शताब्दी का सबसे बुरा सूखा झेल रहा है। जंगलों की आग से जहां चारों ओर खतरा तो बढ़ा ही वहीं अब अमेजन के जंगलों पर भी अस्तित्व समाप्ति का संकट सामने है। इतना तो पता है जो भी कुछ हो रहा है महज जलवायु पर संकट के चलते हो रहे परिवर्तन के कारण ही है।

आखिर जलवायु परिवर्तन है क्या? यह समझना अभी भी कई लोगों के लिए थोड़ा आसान नहीं है। बिना लाग लपेट इसे इस तरह समझा जा सकता है कि दुनिया में औद्योगिक क्रान्ति की शुरुआत 1850 से 1900 के बीच हुई। उस वक्त धरती का जितना तापमान था उसे ही मानक इकाई मानकर स्थिर रखना है ताकि पर्यवारण भी स्थिर रहे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। जिस तरह से पर्यावरण को ताक में रखकर बेतहाशा प्रदूषण फैलाया गया उससे पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है जो जल्द ही 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। बस यही बढ़ता तापमान प्रकृति की सेहत पर बुरी तरह से भारी पड़ रहा है। बारिश और गर्मी के चलते हो रही प्राकृतिक आपदाओं की वजह भी यही तापमान वृध्दि है। इसे काबू में रखने की कवायद पूरी दुनिया को ईमानदारी से करनी होगी। हालाकि यह वृध्दि सरसरी तौर पर तो मामूली लगती है। लेकिन ऐसा नहीं है। जिस तरह मानव शरीर का सामान्य तापमान लगभग 98.6 डिग्री फैरेनहाइट यानी 37 डिग्री सेल्सियस होता है। जिसके थोड़ा ही बढ़ते तबियत खराब लगने लगती है, शरीर असहज लगने लगता है और 101-102 डिग्री फैरेनहाइट होते-होते शारीरिक क्षमताएं बुरी तरह से असामान्य होने लगती हैं। तमाम व्याधियां व पीड़ाएं घेर लेती हैं। ठीक वैसा ही पृथ्वी के साथ है। इसलिए पूरी दुनिया का ध्यान इसी 1.5 डिग्री सेल्सियस को बढ़ने से पहले ही नियंत्रित कर लेने पर है।

औद्योगिकीरण व शहरीकरण के चलते ग्रीन हाउस गैसें जैसे कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, हैलोकार्बन आदि ही जलवायु परिवर्तन के कारण हैं। इनसे वायुमंडल का तापमान लगातार बढ़ रहा है। ग्रीन हाउस गैसों की भूमिका भी खास है जो इंसान की देन है। आंकड़े बताते हैं कि 10 बरसों में दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन यानी लगभग 65 करोड़ वर्ष पूर्व जीवों के जल कर उच्च दाब और ताप में दबने से बना प्राकृतिक ईंधन जो अब कोयला, पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल आदि के रूप में है, भी बड़ा कारण है। इनका उपयोग बिजली घरों, वाहन चलाने, खाना पकाने, रोशनी फैलाने में किया जाता है जो बड़े पैमाने पर वायुमण्डल में रोजाना और हर पल प्रदूषण फैलाता है और धरती का तापमान बढ़ाता है। जीवाश्म ईंधन व दूसरी औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण दुनिया भर में कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में 4,578.35 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। इससे वायुमंडल गर्म हो रहा है और यही ग्लोबल वार्मिंग का कारण है। यही जलस्रोत, ग्लेशियर, जैव विविधता के साथ कृषि उत्पादकता और मानव जीवन प्रभावित कर रहा है। धरती पर तापमान बढ़ने का सिलसिला ऐसा ही रहा तो सन् 2030 से 2052 तक धरती के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो जाएगी। जो कहीं न कहीं पृथ्वी के पर्यावरण पर अत्याधिक प्रतिकूल होगा। शोधकर्ताओं के अनुसार वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले कॉर्बन डाईऑक्साइड से पादप और फंफूदी के पराग, बीजाणु के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। यही हवा के माध्यम से मानव शरीर में पहुंच कर अस्थमा, राइनाइटिस, सीओपीडी, स्किन कैंसर एवं अन्य एलर्जी जैसे घातक बीमारियों को जन्म देते हैं।

ग्रीन हाउस गैसें कितनी घातक हैं समझा जा सकता है। इसको लेकर दुनिया भर में लगातार बैठकें और विचार विमर्श होता रहता है। बावजूद इसके कुछ खास हासिल नहीं हो सका। अब इस दिशा में आशा की एक किरण जरूर दिख रही है। वह है जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल यानी इंटरगवर्नमेंटल पैनल फॉर क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी)। इसकी स्थापना विश्व मौसम विज्ञान संगठन और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने 1988 में की थी जो जलवायु के बारे में मूल्यांकन कर कुछ सालों के अंतराल पर रिपोर्ट जारी करता है। यह रिपोर्ट बेहद आसान भाषा में होती है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसे पढ़ सकें और जागरूक हो सकें। इसका काम कितना महत्वपूर्ण है इसी से समझा जा सकता है कि वर्ष 2007 में संस्था शांति नोबल पुरुस्कार से सम्मानित की गई। इसमें दुनिया भर के चुने हुए वैज्ञानिक काम करते हैं जो विशेषज्ञ वैज्ञानिकों, सरकारों और उद्योग जगत के तमाम दावों व रिपोर्ट्स का बारीक अध्ययन कर जलवायु परिवर्तन की स्थितियों, कारणों पर नए व तथ्यात्मक शोध व प्रमाणित लेखों का विश्लेषण कर अपनी रोपोर्ट जारी करते हैं। आईपीसीसी के वैज्ञानिक सरकारों को नहीं बताते कि क्या करना है बल्कि नीतिगत विकल्प का आंकलन करते हैं।

सीएम राइस या...... सेट ?

मध्य प्रदेश लोक शिक्षण संचालनालय के अंतर्गत शिवराज सरकार ने अक्टूबर 2020 को प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड में एक सीएम राइज स्कूल खोलने के आदेश जारी किये है जिसका प्रचार जोरो पर है। सीएम राइज स्कूल खोलने का उद्देश्य सरकारी स्कूलों को आधुनिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाना है। इस स्कूल में 10 से 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले सरकारी स्कूलों को सीएम राइज स्कूलों में मर्ज किया जाना है जिनमें प्री-नर्सरी से हायर सेकेंडरी तक की कक्षाएं संचालित की जाएंगी। वैसे सरकारी स्कूलों को आधुनिक और तकनीकी बनाना सरकार का बहुत अच्छा निर्णय है लेकिन क्या जो सरकार ने सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने का वादा किया है वह वादा पूरा कर पा रही है? जिस प्रकार से वर्तमान में सरकारी स्कूलों को सीएम राइस स्कूल बनाने का निर्णय लिया है वैसे ही 2018 में सरकार ने मिशन-1000 योजना अंतर्गत प्रदेश के एक हजार शासकीय स्कूलों को निजी स्कूलों की तर्ज पर सर्वसुविधायुक्त बनाए जाने का निर्णय लिया था, लेकिन विधार्थियो की बदकिस्मती उनके मिशन-1000 योजना अंतर्गत आने वाले स्कूलों में किसी प्रकार से कोई कार्य नहीं हो पाया। प्रदेश सरकार ने जैसे सीएम राइज स्कूल में आधुनिक और तकनीकी रूप से बेहतर बनाने का हवाला प्रदेश की जनता को दिया है वैसा ही हवाला मिशन-1000 योजना में बनाए जाने वाले स्कूलों के विद्यार्थियों को दिया था जिसमे अच्छा खासा बजट भी आया था। इसमें कुछ आंकड़े आपको लांजी क्षेत्र के बता दूं कि मिशन-1000 स्कूलों की सूची में लांजी विकासखंड से 7 विद्यालयों जिसमे कन्या शाला लांजी, उत्कृष्ट विद्यालय लांजी, मोहझरी, बहेला, साडरा, मनेरी, कुम्हारीकला के विद्यालयों का चयन किया गया था। इन विद्यालयों में मिशन-1000 के तहत स्कूल के गेट, स्कूल की रंगाई पुताई और फर्नीचर जैसे कार्य कर लिए गए। यह कार्य मिशन-1000 में आने वाली राशि से किया जाना था किंतु इस कार्य को विद्यालय के फंड से ही किया गया जिसके बाद अब तक का मिशन-1000 की राशि विद्यालयों को प्राप्त नहीं हुई है और इन विद्यालयों को मिशन-1000 जोड़ दिया गया। वर्तमान में यह योजना बंद हो गई है। 2018 में प्रारंभ हुई यह योजना मुश्किल से 1 साल ही चल पाई। अब आपको बता दूं कि वर्तमान में जैसे सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किए जा रहे है वैसे ही 2014-15 में भी विकासखण्ड स्तर पर एक सरकारी विद्यालय को आधुनिक और तकनीकी का हवाला देते हुए अंग्रेजी माध्यम और अन्य गतिविधियों प्रारंभ कराई गई थी। लांजी उत्कृष्ट विद्यालय में 2014-15 में कक्षा छठवीं से अंग्रेजी माध्यम की पढ़ाई प्रारंभ हुई। लगभग 7 साल बीत जाने के बावजूद सरकार ने इस स्कूल में अंग्रेजी माध्यम के शिक्षकों की भर्ती तक नहीं करा पाई। 2014-15 में जो छात्र कक्षा छठवीं में अंग्रेजी माध्यम में भर्ती हुए उन्होंने इस साल 12वीं कक्षा पास की है। विद्यालय द्वारा अथिति शिक्षकों के माध्यम से पढ़ाई करवायी गई जो कि कोरोना काल के चलते दो वर्षो से बंद है। प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों को 2014-15, मिशन 1000 का हवाला देते हुए सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने का निर्णय लिया था अब ऐसा ही निर्णय सीएम राइज स्कूल बनाने का लिया है। क्या सरकार का यह निर्णय पहले दो बड़े निर्णयों जैसे असफल हो जायेगे? क्या बिना शिक्षक भर्ती के विद्यार्थी अंग्रेजी माध्यम में अच्छे से पढ़ पाएंगे? या प्रदेश सरकार अपनी नीतियां घोषित करके विद्यार्थियों का भविष्य खतरे में डाल रही है। प्रदेश सरकार बच्चों के प्रवेश के पहले विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षकों की भर्ती करना सुनिश्चित करे एवं आधुनिक व तकनीकी रूप से विद्यालय परिसर का निर्माण करे उसके बाद ही इसे अमल में लाये, जिससे कि यह योजना सफल हो।

आयुष रामटेक्कर- लांजी

स्वभाषाओं का स्वागत लेकिन....?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह खुश खबर है कि देश के आठ राज्यों के 14 इंजीनियरिंग कालेजों में अब पढ़ाई का माध्यम उनकी अपनी भाषाएँ होंगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की पहली वर्षगांठ पर इस क्रांतिकारी कदम का कौन स्वागत नहीं करेगा? अब बी टेक की परीक्षाओं में छात्रगण हिंदी,मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, गुजराती, मलयालम, बांग्ला, असमिया, पंजाबी और उड़िया माध्यम से इंजीनियरी की शिक्षा ले सकेंगे। मातृभाषा के माध्यम का यह शुभ-कार्य यदि 1947 में ही शुरु हो जाता और इसे कानून, गणित, विज्ञान, चिकित्सा आदि सभी पाठ्यक्रमों पर लागू कर दिया जाता तो इन सात दशकों में भारत विश्व की महाशक्ति बन जाता और उसकी संपन्नता यूरोप के बराबर हो जाती। दुनिया का कोई भी शक्तिशाली और संपन्न देश ऐसा नहीं है, जहाँ विदेशी भाषा के माध्यम से पढ़ाई होती हो। हिरन पर घांस लादने की मूर्खता सिर्फ भारत-जैसे पूर्व गुलाम देशों में ही होती है। इसके विरुद्ध डॉ. लोहिया ने जो स्वभाषा आंदोलन चलाया था, उसका मूर्त रुप अब देखने में आ रहा है। जब 1965-66 में मैंने इंडियन स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज़ में अपना पीएच.डी. का शोध ग्रंथ हिंदी में लिखने की मांग की थी तो मुझे निकाल बाहर किया गया था। संसद ठप्प हो गई थी लेकिन उसके 50-55 साल बाद अब क्रांतिकारी कदम उठाने का साहस भाजपा सरकार कर रही है। सरकार में दम और दृष्टि हो तो शिक्षा में से अंग्रेजी की अनिवार्य पढ़ाई पर कल से ही प्रतिबंध लगाए और देश के हर बच्चे की पढ़ाई उसकी मातृभाषा में ही हो। अंग्रेजी समेत कई अन्य विदेशी भाषाएं स्वेच्छया पढ़ने-पढ़ाने की सुविधाएँ विश्वविद्यालय स्तर पर जरुर हों लेकिन यदि शेष सारी पढ़ाई स्वभाषा के माध्यम से होगी तो यह निश्चित जानिए कि नौकरियों में आरक्षण अपने आप अनावश्यक हो जाएगा। गरीबों, ग्रामीणों और पिछड़ों के बच्चे बेहतर सिद्ध होंगे। परीक्षाओं में फेल होनेवालों की संख्या घट जाएगी। कम समय में ज्यादा पढ़ाई होगी। पढ़ाई से मुख मोड़नेवाले छात्रों की संख्या घटेगी। छात्रों की मौलिकता बढ़ेगी। वे नए-नए अनुसंधान जल्दी-जल्दी करेंगे। लेकिन भारत की शिक्षा का स्वभाषाकरण करने के लिए सरकार में अदम्य इच्छा-शक्ति की जरुरत है। रातों-रात दर्जनों पाठ्य-पुस्तकें, संदर्भ-ग्रंथ, शब्द-कोश, प्रशिक्षण शालाएँ आदि तैयार करवाने का जिम्मा शिक्षा मंत्रालय को लेना होगा। स्वभाषा में शिक्षण का यह क्रांतिकारी कार्यक्रम तभी अपनी पूर्णता को प्राप्त करेगा। जब सरकारी नौकरियों से अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त होगी। क्या किसी नेता या सरकार में दम है, यह कदम उठाने का? यदि आपने संसद में, अदालतों में, सरकारी काम-काज में और नौकरियों में अंग्रेजी को महारानी बनाए रखा तो मातृभाषाओं की हालत नौकरानियों-जैसी ही बनी रहेगी। मातृभाषाओं को आप पढ़ाई का माध्यम जरुर बना देंगे लेकिन उस माध्यम को कौन अपनाना चाहेगा?

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

सवाल कुर्सी का....!

ओमप्रकाश मेहता

जात-पात पूछे हर कोई....?

आज से कई साल पहले आराध्य देव के बारे में चाहे यह कहा गया हो कि- ÷जात-पात पूछे नहीं कोई.... हरि को भजे जो हरिका होई÷ किंतु आज के प्रजातंत्र के 'देव' (राजनेता) तो ÷जात-पात÷ ही पूछ रहे है, अर्थात् कुछ दशक पहले की राजनीति पुन ≂ जात-पात के दौर में पहुंच गई है और आज के ये 'देव' अपनी कुर्सी का माध्यम ही 'जात-पात' को मानने लगे है, यही नहीं अब तो संसद और विधान सभाओं में भी 'जात-पात' को आरक्षण की चूसनी पकड़ाने की कौशिश की जा रही है। हाल ही में मोदी सरकार ने बिना किसी चर्चा के पिछड़े वर्ग को चिकित्सा महाविद्यालयों में 27 फीसदी आरक्षण देने का कानून पारित करवा लिया है, जबकि देश की सर्वोच्च न्यायालय के आरक्षण के बारे में स्पष्ट निर्देश है, जिनका सरकार ने स्पष्ट रूप से उल्लंघन किया है।

भारत में जात-पात की राजनीति के सबसे बड़े केन्द्र बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ आदि है, देश के लोकसभा के अगले चुनाव चाहे ढाई साल बाद हो, किंतु इससे पहले देश के करीब सोलह राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है, अगले साल अर्थात् 2022 के प्रारंभ में सात राज्यों उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, गोवा और मणीपुर के विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च में होना है, जबकि गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव अक्टूबर से दिसम्बर के बीच होना है। इसी तरह 2023 में मेघालय, नागालैण्ड, त्रिपुरा व कर्नाटक के मई माह में तथा मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तैलंगाना व मिजोरम के विधानसभा चुनाव नवम्बर-दिसम्बर में होना है, उसके बाद 2024 के अप्रैल-मई में लोकसभा के चुनाव होगें, इसलिए मोदी सरकार का यह भरसक प्रयास है कि 2022-23 में सोलह राज्यों की विधानसभाओं पर भाजपा का कब्जा हो जाए, जिससे 2024 में भाजपा की जीत सुनिश्चित हो जाए... और इसी प्रयास को मूर्तरूप देने के लिए मोदी सरकार साम-दाम-दण्ड-भेद हर तरीके को आजमाने को उद्यत हो गई है। अब यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि वोट के लिए खैरात का सीजन कब आयेगा? क्योंकि अभी तक पिछले ढाई साल में तो केन्द्र की मोदी सरकार व राज्यों की भाजपा सरकारों ने वोटरों के कल्याण या उनके हितों की दिशा में कोई खास कदम उठाये नहीं, किंतु अब वोटरों को लुभाने के लिए कौन सी लॉलीपोप की तैयारी की जाए, इस पर देश का सत्तारूढ़ दल गंभीर चिंतन कर रहा है, उसे यह भी पता है कि पिछले सात सालों में मोदी जी की लोकप्रियता का ग्रॉफ नीचे आया है और राज्यों में भाजपा की सरकारें कोई करिश्मा नहीं दिखा पाई है, इसलिए भाजपा काफी सतर्क भी है, किंतु किया क्या जाए? किसी भी तरह कुर्सी बचाने के प्रयास तो जरूरी है, इसीलिए मोदी सरकार ने जहां संसद में पिछड़े वर्ग के बच्चों के आरक्षण का कानून पारित करवा कर लॉलीपोप बांटने की शुरूआत कर दी है, वहीं भाजपाशासित राज्यों से जाति आधारित जनगणना कराने की मांग उठाई जा रही है, जिससे कि 2021 में ही प्रस्तावित जनगणना के बाद आज के कर्णधारों को यह पता चल सके कि देश में कौन सी जाति के वोटरों का बाहुल्य है और कौन सी जातियों के वोटर कम है? जनगणना के इन परिणामों के आधार पर ही 2024 की रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा इसी साल के अंत तक आने वाले जनगणना परिणामों के बाद ही 2022 में होने वाले राज्यों विधानसभा के चुनावों की रणनीति तय करेगी। प्रजातंत्र के मूल सिद्धांतों में चाहे कभी गैर जातिय या गैर साम्प्रदायिकता की भावना शामिल रही हो, किंतु आज राजनीतिक स्तर पर इन सिद्धांतों की अहमियत ही क्या रह गई है? आज तो येन-केन-प्रकारेण 'कुर्सी' हासिल करना ही राजनीति का मूल सिद्धांत रहा है और उसी दिशा में राजनीति को ले जाया जा रहा है, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के पंचशील सिद्धांत को तो मोदी सरकार ने सत्ता प्राप्त होते ही अमान्य कर रद्दी की टोकरी में डाल दिया था। अब तो सिर्फ और सिर्फ 'सत्ता की कुर्सी' के ही सिद्धांत है, जो समय-समय पर बदलते रहते है।

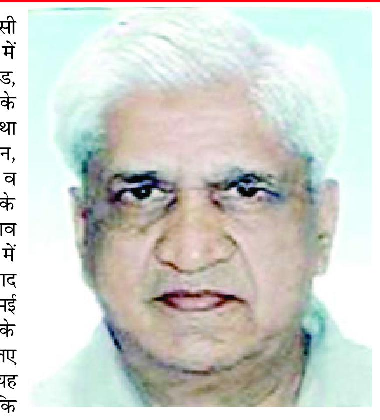

इस तरह मौजूदा राजनीतिक परिदृष्य को कुर्सी आधारित राजतंत्र कहा जाए तो कतई गलत नहीं होगा साथ ही यहां यदि यह कहा जाए कि मौजूदा सत्ता व उसका संरक्षक दल देश के वोटरों की मजबूरी का नाजायज फायदा उठा रहा है तो वह भी कतई गलत नहीं होगा, क्योंकि देश के वोटरों के सामने मौजूदा सत्ता, उसके नेतृत्व व उसके राजनीतिक दल के विकल्प का अभाव है, प्रतिपक्ष में अब कोई ऐसा दल या शख्स नहीं रहा जो मौजूदा सत्ता नेतृत्व का विकल्प बन सके, इसलिए मौजूदा सरकार व नेतृत्व को चुनने की मजबूरी है, यदि इसी दिशा में ममता बैनर्जी के प्रयास सफल हो गए तो 2024 में पासा पलट भी सकता है। ऐसा आमतौर पर माना जा रहा है।

मलाइका और प्रियंका की स्टाइलिस्ट थीं येशा रूघानी

येशा रूघानी ने साल 2017 में अपने ऐक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उन्हें पॉप्युलैरिटी मिली 2018 में आए टीवी शो 'मुस्कान' से। इसमें येशा की शरद मल्होत्रा के साथ जोड़ी थी और दोनों को खूब पसंद किया गया था।

येशा रूघानी ने तो भी ऐक्ट्रेस बनने का सपना ही नहीं देखा था। वह तो एक फैशन स्टाइलिस्ट थीं। क्या आप जानते हैं कि ऐक्ट्रेस बनने से पहले येशा रूघानी प्रियंका चोपड़ा और मलाइका अरोड़ा की स्टाइलिस्ट थीं? येशा ने इन दो ऐक्ट्रेसेस के अलावा तमन्ना भाटिया, आलिया भट्ट, माधुरी दीक्षित और ईशा गुप्ता जैसी ऐक्ट्रेसेस को स्टाइल किया।

येशा रूघानी ने फैशन कम्युनिकेशन की पढ़ाई की थी और उसके बाद उन्होंने मशहूर स्टाइलिस्ट अमी पटेल के साथ बतौर इंटर्न काम करना शुरू कर दिया। अपनी इंटर्नशिप के दौरान येशा रूघानी को कई ऐक्ट्रेसेस को करीब से जानने का मौका मिला। येशा रूघानी ने बताया था कि वह माधुरी से लेकर आलिया और प्रियंका चोपड़ा जैसी ऐक्ट्रेसेस की वैनिटी वैन के बाहर खड़ी रहती थीं और सोचती थीं कि काश एक दिन उनकी भी खुद की वैनिटी वैन हो। येशा रूघानी का होम डेकॉर का अपना ब्रांड भी है, जिसकी वह कभी-कभी प्रदर्शनी लगाती थीं और ऐसी एक प्रदर्शनी के दौरान उनकी किस्मत खुली व ऐक्टिंग की दुनिया में आने का मौका मिल गया। येशा रूघानी ने बताया था, 'एक बार मेरे पास एक बीमार महिला आई तो मैंने उनकी मदद के लिए हाथ बढ़ाया। मैंने उससे कहा कि मैं उसे उसकी बेटी या किसी फैमिली मेंबर के पास ले जाऊंगी। इसके बाद मेरी मुलाकात उस महिला की बेटी से हुई जो खुशकिस्मती से मेरे डेब्यू शो की प्रड्यूसर थी।

येशा रूघानी की किस्मत 4 दिनों में ही पलट गई। जब उस लड़की ने उन्हें डेब्यू शो के लिए ऑडिशन देने के लिए कहा तो पहले तो येशा को यकीन ही नहीं हुआ। लेकिन वह मान गई और फिर तो उनकी दुनिया ही बदल गई। येशा को 'जीत गई तो पिया मोरे' शो मिल गया और वह लीड हिरोइन बन गई। येशा रूघानी पीसीओडी नाम की बीमारी से पीड़ित हैं और इस कारण उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा।

हर किरदार ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया: विद्या बालन

अपने दमदार अभिनय और भूमिकाओं से दर्शकों को हमेशा मंत्रमुग्ध करने वाली अभिनेत्री विद्या बालन ने इस बारे में खुल कर बात की है। वह कहती हैं कि अब तक उनके द्वारा निभाए गए हर किरदार ने उन्हें शिक्षित किया है और उनके लिए कुछ बदला है। जब से उन्होंने 2005 में परिणीता के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, विद्या ने भूल भुलैया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्चर, पा, कहानी, इश्किया, मिशन मंगल, तुम्हारी सुलु और शकुंतला देवी जैसी फिल्मों में अपने गतिशील चित्रण के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। उनकी नवीनतम रिलीज शेरनी में उन्होंने एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाई हैं, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक बाधाओं और अपने विभाग के भीतर अभावग्रस्त रवैये से जूझ रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने चरित्र से कुछ हासिल करती हैं या वे उन्हें किसी भी तरह से शिक्षित करते हैं, विद्या ने कहा, हां बिल्कुल। यह ऐसा है जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत करने के बाद हमेशा कुछ वापस पाते हैं। यह वही है। आप इस व्यक्ति के रहते हैं। डेढ़ महीने या दो या शायद अधिक के लिए जीवन क्योंकि आप उससे पहले तैयारी शुरू कर देते हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि किसी किरदार से प्रभावित नहीं होना मुश्किल है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, इसलिए, मैं लगभग चार महीने तक एक ही किरदार के साथ रहती हूं। इसलिए, उस चरित्र को आप पर प्रभाव नहीं पड़ने देना मुश्किल है।

यूं कर रही हैं पापा का नाम रोशन एरिका पैकर्ड

हिंदी फिल्मों में विलन का रोल प्ले करने वाले गैविन पैकर्ड की बेटी एरिका पैकर्ड ग्लैमर की दुनिया में एक चमकता चेहरा हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है।सबसे पहले तो हम आपको एरिका पैकर्ड के पिता यानी ऐक्टर गैविन पैकर्ड के बारे में बताते है। 90 के दशक में इस ऐक्टर ने कई बॉलिवुड फिल्मों में काम किया, जिनमें 'ये है जलवा', 'सड़क', 'मोहरा', 'तड़ीपार' और 'चमत्कार' जैसी फिल्में शामिल हैं। गैविन पैकर्ड जब स्क्रीन पर आते थे तो एक खूंखार विलन के रूप में उनका रूप देख दर्शक भी डर जाते थे। पर रियल लाइफ में गैविन बेहद कूल और विनम्र स्वभाव के थे। बहुत ही कम लोगों को पता होगा कि गैविन पैकर्ड एक ऐक्टर ही नहीं बल्कि नैशनल अवॉर्ड विनिंग बॉडीबिल्डर भी थे। गैविन पैकर्ड ने संजय दत्त और सुनील शेट्टी के अलावा सलमान खान के बॉडीगार्ड शेरा तक को ट्रेनिंग दी थी। गैविन पैकर्ड ने बॉलिवुड ही नहीं साउथ की फिल्मों में भी काम किया था। भले ही फिल्मों में उनका रोल छोटा होता था, पर वह उनके दम पर अपनी छाप छोड़ने में कामयाब रहे। लेकिन अफसोस साल 2012 में गैविन पैकर्ड का सांस संबंधी एक बीमारी के चलते निधन हो गया। उनकी दो बेटियां हैं-एरिका और कैमिली पैकर्ड। एरिका पैकर्ड फैशन और मॉडलिंग वर्ल्ड का जाना-माना नाम हैं। भले ही एरिका फिल्मी बैकग्राउंड से रही हों, लेकिन उन्होंने अपने लिए एक अलग रास्ता चुना। वह साइकॉलजी के फील्ड में जाना चाहती थीं, लेकिन किस्मत एरिका को ग्लैमर और फैशन की दुनिया में ले आई। एरिका पैकर्ड एक मॉडल हैं और वह इंस्टाग्राम पर अकसर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इंस्टग्राम पर उनके अब तक 180 के फॉलोअर्स हैं। एरिका इंडिया के टॉप डिजाइनर्स के लिए रैंपवॉक कर चुकी हैं और इतना ही नहीं वह दुनिया भर के टॉप मॉडलिंग एजेंसी के साथ भी काम कर चुकी हैं।

वॉल सिट : जानिए कैसे की जाती है यह एक्सरसाइज और इससे जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें

वॉल सिट एक्सरसाइज दीवार के सहारे बैठकर की जाती है और यह जांघों, कूल्हों, पिंडलियों, मांसपेशियों और पेट के लिए बहुत ही लाभदायक मानी जाती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज पैरों की दर्द सहने की क्षमता को बढ़ाकर उन्हें मजबूती के साथ-साथ अच्छा आकार देने में भी मदद करती है। आइए आज आपको यह एक्सरसाइज करने का सही तरीका, इसके फायदे और इससे जुड़ी कुछ सावधानियां और महत्वपूर्ण टिप्स बताते हैं।

वॉल सिट एक्सरसाइज करने का तरीका: सबसे पहले एक चिकनी दीवार से पीठ के सहारे सटकर सीधे खड़े हो जाएं। अब अपने दोनों पैरों को दीवार से लगभग 1.5 फुट की दूरी पर रखें और दोनों हाथों को सामने की ओर सीधा कर लें। इसके बाद धीर-धीरे अपने पैरों को घुटनों से मोड़कर अपने कूल्हों को थोड़ा नीचे की ओर लाएं। इस स्थिति में आप एक कुर्सी पर बैठे हुए दिखाई देंगे। 20 से 30 सेकेंड इस स्थिति में रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।

सावधानियां

एक्सरसाइज करते समय जरूर बरतें ये सावधानियां: अगर आप अर्थराइटिस से ग्रस्त हैं या फिर आपके किसी पैर में मोच आई है तो इस एक्सरसाइज को न करें। अगर आपके कंधों में चोट लगी हो या दर्द हो, तब भी इस एक्सरसाइज को न करें। मासिक धर्म के दौरान महिलाओं को इस एक्सरसाइज का अभ्यास नहीं करना चाहिए। घुटनों के पुराने दर्द से पीड़ित व्यक्तियों को वॉल सिट एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। अगर पेट में किसी तरह की तकलीफ है तो भी वॉल सिट एक्सरसाइज न करें।

फायदे

वॉल सिट एक्सरसाइज के नियमित अभ्यास से मिलने वाले फायदे: वॉल सिट एक्सरसाइज थाईज के पीछे वाली मांसपेशियों यानि हैमस्ट्रिंग के लिए बहुत ही लाभदायक होती है। यह एक्सरसाइज मोटापे से छुटकारा दिलाने में भी सहायक है। शरीर के संतुलन को बेहतर बनाने में भी यह एक्सरसाइज काफी मदद कर सकती है। इस एक्सरसाइज से पीठ की कई तकलीफों को ठीक किया जा सकता है। रोजाना इस एक्सरसाइज को करने से कूल्हों का लचीलापन बढ़ता है। यह एक्सरसाइज पैरों और कूल्हों की मजबूती के लिए भी काफी अच्छी होती है।

टिप्स

एक्सरसाइज से जुड़ी खास टिप्स: यह एक्सरसाइज करते समय अपनी पीठ को न मोड़ें और इसे एकदम सीधा रखें। इसी तरह अपने सिर, कंधे, पीठ और कूल्हों पर अधिक दबाव न डालें। शुरूआत में इस एक्सरसाइज का अभ्यास अधिक समय तक न करें और धीरे-धीरे अपना समय बढ़ाएं। अगर आप इस एक्सरसाइज का अभ्यास पहली बार करने जा रहे हैं तो किसी विशेषज्ञ की निगरानी में करें। अभ्यास के दौरान पैरों या पीठ में दर्द होने लगे तो इस एक्सरसाइज को तुरंत छोड़ दें।

खुद पर भरोसा नहीं होने से मैंने एक बार अभिनय छोड़ने का सोचा था: तान्या मानिकतला

मीरा नायर की वेब सीरीज 'द सूटेबल बॉय' में तान्या मानिकतला ने अपने अभिनय और खूबसूरती से सबका ध्यान खींचा और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया के प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुने जाने से लेकर संतोष सिवन की 'मुंबईकर', आगामी ओटीटी एंथोलॉजी 'फील्स लाइक इश्क' और वेब सीरीज 'चुटजपाह' में भूमिकाएं हासिल करने तक तान्या मानिकतला के अभिनय में बहुत कुछ दमखम है.

हालांकि उन्होंने सभी को ये कहते हुए चौंका दिया कि उसने अपने पहले शो 'फ्लेम्स' के बाद एक समय पर अभिनय छोड़ने का फैसला कर लिया था. उन्होंने बताया यह मेरे लिए खुद अवास्तविक लगता है कि मैंने वास्तव में कुछ भी होने की उम्मीद नहीं की थी. इसलिए, मेरे करियर के इस चरण में, बाफ्टा ब्रेकथ्रू इंडिया हो रहा है और मुझे उन 10 प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुना जा रहा है जहां मुझे बातचीत करने का मौका मिलेगा और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा सलाह मिलेगी ! मैं भाग्यशाली महसूस करती हूं और मुझे लगता है कि मैं चमत्कारों में ज्यादा विश्वास करती हूं. तान्या ने अपने अभिनय की शुरूआत वेब सीरीज 'फ्लेम्स' से की, जब वह कॉलेज में थी . शो के रिलीज होने के बाद उन्होंने सोचा कि हर कोई उन्हें ऑफर से भर देगा और वह बॉलीवुड स्टार बन जाएगी. उन्होंने याद किया मैं दिल्ली से हूं, मुझे यह नहीं पता कि मनोरंजन का व्यवसाय कैसे काम करता है. इसलिए, मैंने सोचा कि एक शो करने से मुझे काम, फिल्में आदि की श्रृंखला मिल जाएगी. मैं वास्तव में भोली थी. मैं ऑडिशन देती रही और अस्वीकृति का सामना करना शुरू कर दिया.

अभिनेत्री ने साझा किया यही वह समय था जब मैंने खुद पर संदेह करना शुरू कर दिया और अभिनय छोड़ने के बारे में सोचा. मुझे लगता है कि किसी भी उभरते अभिनेता या कलाकार के लिए, आत्म-संदेह एक बड़ा मुद्दा हो सकता है जो सभी आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास को तोड़ सकता है. आपको लगता है कि आपका सपना टूट गया है. लोग कर सकते हैं अपने चेहरे पर कठोर रहें जब वे आपको एक ऑडिशन में अस्वीकार करते हैं . मैं शिकायत नहीं कर रही हूं, लेकिन मैं कह रही हूं कि मैं युवा थी, भोली थी, अभी भी कॉलेज में थी और इसके लिए तैयार नहीं थी.

कुछ समय के लिए, उन्होंने पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित किया, एक विज्ञापन एजेंसी में एक कॉपीराइटर के रूप में नौकरी की और अभिनय में बड़ा करने के अपने सपने को छोड़ दिया. तान्या ने कहा मैं अपने दोस्त की आभारी रहूंगी जिसने मुझे 'द सूटेबल बॉय' के ऑडिशन के लिए जाने के लिए प्रेरित किया और शुरू में ऑडिशन के बाद मुझे चयन कॉल मिलने की उम्मीद नहीं थी. बल्कि मैं उच्च अध्ययन के लिए मेलबर्न जाने के लिए तैयार थी. मेलबर्न जाने से पंद्रह दिन पहले, मुझे बताया गया था कि मीरा (नायर) दी अंतिम ऑडिशन देना चाहती है और वह दिल्ली आ रही है. उन्होंने हस्ताक्षर किए आखिरकार, मुझे वह भूमिका मिली और मीरा दी ने मुझे उस आत्मविश्वास को बनाने में मदद की जो मैंने पहले सभी अस्वीकृति के कारण खो दिया था. उन्हेंने मुझे विश्वास दिलाया कि अगर मुझे खुद पर विश्वास है, अगर मेरा कोई सपना है और उस पर काम करना है, तो कोई नहीं है जिस तरह से मैं इसे हासिल नहीं करूंगी।

केले का छिलका भी होता है सेहत के लिए फायदेमंद, जानें इसके सेवन के लाभ

केला एक गुणकारी फल है जो न सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी होता है। इसका सेवन हृदय, मस्तिष्क, पाचन और हड्डियों आदि के रोगों से बचाव के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते है केला ही नहीं बल्कि इसके छिलका भी स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। चलिए फिर आज आपको केले के छिलके के फायदे बताते हैं जिसके बाद आप इसे फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करना पसंद करेंगे।

मुंहासों से दिलाता है छुटकारा: मुंहासे त्वचा से जुड़ी एक समस्या है जिनके कारण काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। हालांकि केले के छिलके आपकी इस परेशानी को जल्द दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। ये गुण मुंहासे पैदा करने वाले कीटाणुओं को नष्ट करके त्वचा को फिर से ठीक करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए केले के छिलके को प्रभावित जगह पर रोजाना कुछ सेकेंड रगड़ें।

दांतों को चमकाने में करता है मदद: खिलखिलाती मुस्कान के लिए दांतों का साफ और सुंदर होना जरूरी है और इसके लिए आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के अनुसार, इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम और मैंगनीज की अच्छी मात्रा माई जाती है जो दांतों को सफेद और चमकदार बनाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना टूथब्रश करने के बाद केले के छिलके को अपने दांतों पर घिसें।

दर्द से दिलाता है राहत: अगर आपको शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द है तो इससे राहत पाने के लिए भी आप केले के छिलके का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक शोध के मुताबिक, केले के छिलके में दर्द निवारक और सूजन संबंधित विकारों को दूर करने के गुण मौजूद होते हैं। इसी कारण माना जाता है कि दर्द से प्रभावित जगह पर केले के छिलके को बांधने से कुछ हद तक आराम मिल सकता है।

शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में करता है मदद: केले के छिलकों का सेवन करने से शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ हो जाता है। दरअसल, केले के छिलकों में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण शामिल होते हैं जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल कर शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह लिवर और किडनी को स्वस्थ बनाए रखने में भी मदद कर सकता है। इसलिए अपनी डाइट में केले के छिलकों को शामिल करना अच्छा विचार हो सकता है।

कॉमेडी मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही है: प्रतीक गांधी

लोकप्रिय श्रृंखला स्कैम 1992 द हर्षद मेहता स्टोरी में हर्षद मेहता की भूमिका निभाने वाले अभिनेता प्रतीक गांधी, अपनी आगामी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अतिथि भूतो भव के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता का कहना है कि एक शैली के रूप में कॉमेडी उनके लिए बहुत दिलचस्प रही है और वह इसकी विभिन्न परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। एक कॉमेडी फिल्म में काम करने के बारे में बात करते हुए प्रतीक ने कहा, मैंने कई अलग-अलग शैलियों में काम किया है, खासकर मंच पर कॉमेडी। कॉमेडी हमेशा मेरे लिए एक बहुत ही दिलचस्प शैली रही है। मैं हमेशा इसके प्रति इच्छुक था। 41 वर्षीय स्टार, जो जल्द ही आगामी मर्डर मिस्ट्री सीरीज द सिक्स सस्पेक्ट्स में नजर आएंगे, वह कॉमेडी की परतों को तलाशने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि कॉमेडी में स्लैपस्टिक और व्यंग्यात्मक कॉमेडी या डार्क जैसी कई परतें हैं, बहुत सी चीजें हैं और मैं इसे तलाशने के लिए उत्सुक हूं। हार्दिक गज्जर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की शूटिंग मुंबई और मथुरा में हुई है। अभिनेता को अभिनेत्री तापसी पन्नू के साथ एक नई फिल्म में स्क्रीन स्पेस साझा करते हुए भी देखा जाएगा। जिसका शीर्षक अस्थायी रूप से वो लड़की है कहां है।

वन-टू-वन

'कलेक्टर ने शांति एवं कानून व्यवस्था के लिये आदेश जारी किये'

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, दैनिक पुष्पांजली टुडे

(विधानसभा के आसपास के क्षेत्रों में 9 अगस्त से धारा 144 लागू रहेगी)

भोपाल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट भोपाल अविनाश लवानिया ने विधानसभा सत्र के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के मद्धेनजर दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर 9 अगस्त से 12 अगस्त 2021 तक विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशील किया है । यह आदेश 74 बंगले के ऊपर वाली सड़क से होते हुए रोशनपुरा चौराहा में लागू रहेगा । नवीन विधायक विश्रामगृह के सामने वाला मार्ग पुराना, पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सब्बन चौराहा, ओमनगर और वल्लभ नगर का समस्त झुग्गी क्षेत्र धारा 144 के तहत जारी आदेश का प्रभाव क्षेत्र माना जायेगा । आदेश डयूटी पर कार्यरत कर्मचारियों-अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। शवयात्रा या बारात भी इस आदेश से मुक्त रहेंगे । आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा कोरोना के संबंध में जारी आदेशों/ निर्देशों, सोशल डिस्टेंसिंग गाईड लाईन एवं कार्य स्थल के एस.ओ.पी. का पालन करना अनिवार्य होगा तथा कंटेनमेंट जोन से कोई भी स्टाफ को कार्य स्थल पर उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी । आदेश के मुताबिक उल्लेखित क्षेत्र में पांच या उससे अधिक व्यक्ति एकत्रित नहीं होंगे । कोई व्यक्ति किसी जुलूस- प्रदर्शन का न तो निर्देशन करेगा और न उसमें भाग लेगा तथा न ही कोई सभा आयोजित की जायेगी । आदेश में यह साफ कर दिया गया है कि सत्र के दौरान कोई भी व्यक्ति चाकू या अन्य धारदार हथियार लेकर नहीं चलेगा। कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई कार्य नहीं करेगा जिससे उद्योग और सार्वजनिक या निजी सेवाओं पर विपरीत असर पड़ता हो । प्रभावित क्षेत्र में पुतला दहन या किसी तरह के आंदोलन की सख्त मनाही की गई है ।

मप्र के पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने बाढ़ और सूखे को लेकर कांग्रेस को बताया जिम्मेदार

भोपाल । मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार के मंत्री विश्वास सारंग द्वारा महंगाई के लिए पूर्व पीएम नेहरू को जिम्मेदार ठहराने के बाद पूर्व प्रोटेम स्पीकर रामेश्वर शर्मा ने बाढ़ और सूखे को लेकर अजीबोगरीब बयान दिया है। शर्मा का कहना है कि पूरे देश में बाढ़ और सूखे की वजह ही कांग्रेस है। पूर्व प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि केंद्र की मनमोहन सरकार ने अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ों योजना बीच में रोक दी। इसकारण बाढ़ और सूखे की स्थिति बन रही है। देश की नदियां आपस में जुड़ जातीं,तब आज ये स्थिति निर्मित नहीं होती। बीजेपी अब पांच साल का प्लान तैयार कर रही है। पांच साल बाद देश में न बाढ़ आएगी न कहीं सूखे की स्थिति बनेगी। गौरतलब है कि 2002 में देश में भयानक सूखा पड़ा था, इसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नदियों को आपस में जोड़ने के काम की व्यावहारिकता परखने के लिए एक कार्य दल का गठन किया। इसने उसी साल अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। इसमें भी परियोजना को दो भागों में बांटने की सिफारिश की गई। पहले हिस्से में दक्षिण भारतीय नदियां शामिल थीं, जिन्हें जोड़कर 16 कड़ियों की एक ग्रिड बनाई जानी थी। हिमालयी हिस्से के तहत गंगा, ब्रह्मपुत्र और इनकी सहायक नदियों के पानी को इकट्ठा करने की योजना बनी, जिसका इस्तेमाल सिंचाई और बिजली परियोजनाओं के लिए होना था। लेकिन फिर 2004 में कांग्रेस नीत यूपीए की सरकार सत्ता में आई और मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया। बता दें कि इससे पहले बढ़ती महंगाई क लेकर भाजपा नेता व चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने प्रदेश के पहले प्रधानमंत्री पं जवाहर लाल नेहरू को जिम्मेदार ठहराया था। अब बाढ़ और सूखे को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर आरोप लगाना एक अलग ही विवाद को जन्म दे सकता है।

मप्र के फसल बीमा के फार्मूले को केंद्र ने दी मंजूरी

भोपाल । केंद्र सरकार ने प्रदेश के लिए फसल बीमा के फार्मूले को मंजूरी दे दी है। प्रदेश में खरीफ फसल की बोवनी कर चुके किसानों को अब फसल बीमा का लाभ ?मिलेगा। फार्मूले के तहत 80 फीसद से कम फसल को नुकसान होने पर बीमा कंपनी कुल दावे (क्लेम) और प्रीमियम के अंतर की राशि सरकार को लौटाएगी। इसी तरह यदि नुकसान 110 फीसद से अधिक होता है तो दावे और प्रीमियम के अतिरिक्त राशि सरकार कंपनी को देगी। पिछले साल भी यही फार्मूला अपनाया गया था। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री फसल बीमा के लिए इस फार्मूले को खरीफ और रबी फसलों के लिए लागू करने का अनुरोध किया था, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने अनुमति दे दी है। वहीं, कृषि विभाग ने बीमा कंपनी तय करने के लिए निविदा आमंत्रित कर ली है। कंपनी तय होते ही किसानों से प्रीमियम की राशि लेकर बीमा किया जाएगा। प्रदेश में पिछले साल फसल बीमा करने के लिए सरकार ने तीन बार निविदा बुलाई थी लेकिन प्रीमियम दर अधिक होने के कारण सरप्लस शेयरिंग फार्मूले को लागू किया था। इसमें यदि फसल को नुकसान होने पर बीमा दावा अस्सी फीसद से कम बनता है तो भुगतान के बाद अंतर के प्रीमियम की राशि उसे सरकार को वापस करनी होती है। 80 से 110 प्रतिशत तक पूरा भुगतान बीमा कंपनी को करना होता है। यदि दावा 110 प्रतिशत से अधिक होता है तो अतिरिक्त पूरी राशि का भुगतान शासन को करना होगा। इसी फार्मूले को खरीफ और रबी फसल 2021 के लिए लागू करने का प्रस्ताव राज्य सरकार ने केंद्र कृषि मंत्रालय को भेजा था।

शिव भक्ति मे लीन कावड़ियों का जनुन श्रावण मास निराला जय जय कारा से गूंजा संसारा

राकेश परिहार पीटीवी न्यूज़ पिछोर

पिछोर, तहसील में श्रावण मास कावड़ियों का आना जाना लगा हुआ है और कावड़ियों का जुनून अलग ही देखने को मिल रहा है शिव भक्ति में लीन कावड़िया इलाहाबाद से कावर भरकर अपने ग्राम के लिए प्रस्थान कर रहे हैं और गांव में जाकर अपने मंदिरों पर कावर चढ़ा रहे हैं भक्ति में लीन रहते हुए कांवरिया बम बम की गूंज से प्रमुख मार्गो से गुजर कर हजारों कोसों की यात्रा करते हुए कावर भरकर लाते हैं और अपने ग्रामों के लिए प्रस्थान करते हैं ग्रामों में जाकर कांवरिया मंदिरों में काबर को चढ़ाते हैं यह है कांवरिया शिव भक्ति में लीन रहते हुए बम बम भोले नाथ की जय जय कार लगाते हुए शिव की उपासना करते हैं और शिव को मनाने के लिए लाख जतन किए जाते हैं कांवरिया इन दिनों आज के मौसम में अपनी ना चिंता करते हुए कावर भरने के लिए दूरदराज धार्मिक स्थानों पर जाते हैं और वहां से कावर भरकर लाते हैं इन दिनों काफी कांवरिया भगवान को श्रावण मास मैं भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है क्योंकि यह धर्म महीना चल रहा है शिवालयों में जबरदस्त भक्तों की भीड़ का ताता लगा हुआ है और शिव भक्ति में लीन होकर मगन होकर संसार की सभी सुखों को छोड़कर केवल कांवरिया भगवान के चरणों में ध्यान लगाते हैं कांवरियों का काफिला बड़े ही धूमधाम से निकलता है जिसमें जय जय कारे के नारे लगाए जाते हैं एवं गायन भी किया जाता है और भगवान शिव का ध्यान बड़ी ही शांति पूर्वक चिंतन करते रहते हैं सांवरिया सरकार इन दिनों हर जगह नजर आ रही है भगवान शिव ने कहा है मनुष्य के लिए

चौपाई सोनू हूं उमा ते लोग अभागी
हरि तजी होई विषय अनुरागी

भगवान शिव कहते हैं हे उमा वे लोग अभागे हैं जो भगवान को छोड़कर विषयों से अनुराग करते हैं

श्रावण मास एक महा मास है जिसमें सच्चे भाव और सच्ची निष्ठा और लगन के साथ भगवान शिव एवं मां पार्वती की पूजा अर्चना की जाती है यह मास धर्म का मास है जो व्यक्ति सच्चे भाव और निष्ठा से भगवान को अपना सब कुछ निछावर कर देता है भगवान शिव सदा शिव अविनाशी उसकी हर इच्छाएं पूर्ण करते है पिछोर मार्गो से कांवरियों का आना जाना प्रीति दिन लगा है जिसमें कई जगह धर्म की रक्षा के लिए कांवरियों की सेवा भी की जाती है

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के बाद गृहमंत्री ने साझा किया अनुभव,कहा-आंखों में पानी लाने वाली स्थिति है

भोपाल(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक)

मध्य प्रदेश में बाढ़ से स्थिति भयावह बनी हुई है।प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा भी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।नरोत्तम मिश्रा ने अपने दौरे के बाद अनुभव साझा किया है।उन्होंने कहा कि जिस तरह की स्थिति देखने को मिली वो वास्तव में आंखों में पानी लाने वाली थी।

गृहमंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि एमपी में बाढ़ से 1250 गांव प्रभावित,1100 लोगों का रेस्क्यू किया गया।60 राहत शिविरों में 12 हजार लोगों को सुविधाएं दी जा रही हैं।चंबल नदी खतरे के निशान से ऊपर है। चंबल के किनारे के लोगों को ऊंचे स्थानों पर ले जाया जा रहा है।फंसी हुई स्थिति में कोई नहीं है।नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि 2445 होमगार्ड के जवान प्रतिनियुक्ति पर एसडीआरएफ/एनडीआरएफ को दिए जाएंगे।जो बाढ़ के दौरान रेस्क्यू में सहयोग करेंगे।इसमें सिंहस्थ के दौरान काम करने वाले होमगार्ड्स भी शामिल करने का प्रयास है।दतिया में एक दिवसीय दौरे का गृहमंत्री ने अपने अनुभवों को साझा किया।उन्होंने बताया कि जिस तरह से भयावह स्थिति बनी है, उस स्थिति में एक जनसेवक होने के नाते उनका जाना जरुरी था।जाने के बाद जिस तरह की स्थिति देखने को मिली वो वास्तव में आंखों में पानी लाने वाली थी।जनता को बचाने के लिए खुद नंगे पैर उनके बीच गया, क्योंकि जूते पैर कीचड़ और पानी मे जाना संभव नहीं था।नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे पहले रेस्क्यू किया उसके बाद खुद हेलीकाफ्टर के माध्यम से बाहर आया।जनता के हर सुख दुख में उनके साथ रहना जरुरी है।कोई बड़ा काम नहीं किया है,सिर्फ जनता का दर्द बांटने की कोशिश की।

भाजपा पाली जिला मंत्री रेखा जैन को ब्लाक शिक्षा समिति अध्यक्ष पद पर मनोनीत

नेनाराम सिरवी

पाली मारवाड़ जंक्शन - भारतीय जनता पार्टी पाली जिला मंत्री व मारवाड़ पंचायत समिति सदस्य रेखा जैन को मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति के ब्लाक शिक्षा समिति अध्यक्ष पद पर मनोनीत करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई इस अवसर पर पूर्व विधायक केसाराम चौधरी , मारवाड़ प्रधान मंगलाराम देवासी , भाजपा महिला मोर्चा पाली जिलाध्यक्ष श्रीमती मनोहर कंवर राठौड़ , भाजपा मारवाड़ जंक्शन मण्डल अध्यक्ष धनश्याम चौधरी , भाजपा युवा मोर्चा इकाई मण्डल अध्यक्ष बिजोवा अजय कुमार जैन , सोजत भाजपा शहर मण्डल मंत्री महेश सोनी , शैलेश वर्मा मारवाड़ जंक्शन मण्डल महामंत्री रेखा चौहान , भाजपा पाली जिला मंत्री बसती कंवर , पार्षद प्रियंका धीरज नागौरा , मारवाड़ जंक्शन मण्डल कोषाध्यक्ष सोनु जैन , भगवती कंवर नाथावत आदि कार्यकर्ता ने जैन को बधाई दी।

जलेसर में सपाइयों ने निकाली साइकिल यात्रा

सोनू कुमार माथुर

एटा जलेसर तहसील मैं समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता श्री जनेश्वर मिश्र की जयंती के शुभ अवसर पर माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी पार्टी आदरणीय अखिलेश यादव जी के आह्वान पर बेरोजगारी किसानों पर काले कृषि कानून की मार व महंगाई भ्रष्टाचार पुलिस उत्पीड़न महिला उत्पीड़न के विरुद्ध यह साइकिल यात्रा पूर्व सदस्य जिला पंचायत पप्पू दिवाकर के नेतृत्व मैं प्रवीण दिवाकर सदस्य प्रदेश कार्यकारिणी की उपस्थिति में सैकड़ों समाजवादी कार्यकर्ता एवं किसानों द्वारा साइकिल यात्रा ग्राम पंचायत नरोरा तहसील जलेसर से प्रारंभ होकर लाल घड़ी नगला केसरी न्यू खास खेड़ा से होकर रजुआ तक चलाई गई इस साईकिल यात्रा मैं दिनेश यादव सोनू यादव धर्मेंद्र यादव राजकुमार विनोद दिवाकर सविता अजब सिंह दिवाकर राम सिंह कुशवाह धर्मेंद्र चौहान रामप्रकाश आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भरथना इटावा जनेश्वर मिश्र की 84वीं जयंती पर सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने निकाली साइकिल रैली

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

भरथना जनेश्वर मिश्र की 84वीं जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के आवाहन पर पूरे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने तहसील स्तर पर साइकिल यात्रा निकाली गयी। इसी क्रम में आज इटावा जनपद की भरथना तहसील में पूर्व राज्य मंत्री अशोक यादव, पूर्व राज्य मंत्री श्री कृष्ण यादव एवं अनिल दोहरे के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पाली बंबा से यात्रा का शुरूआत शुभारंभ किया और गिरधारीपुरा होते हुए मंडी समिति पुराना भरथना इटावा रोड से रेलवे फ्लाईओवर की तरफ होते हुए यात्रा का समापन किया गया । समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में नारेबाजी की एवं 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया। साइकिल यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अराजकता ना हो इसलिए भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया । पुलिस की मौजूदगी में साइकिल यात्रा शांतिपूर्वक समाप्त हुई साइकिल यात्रा के दौरान अखिल भारतीय दोहरे समाज महासंघ के प्रदेश प्रभारी अनिल दोहरे, हरिओम यादव, गपोचे त्रिपाठी, गिरीश यादव, श्यामवीर यादव पूर्व प्रत्याशी विधानसभा, शिवम यादव, पंकज यादव, संजय यादव, अनीता दिवाकर, सोनू यादव, रमन उर्फ मन्नू यादव, विमल कसौटिया, अनुराग यादव, सत्येंद्र दोहरे, अंकित दोहरे, सौरभ दोहरे, बादशाह कठेरिया, महेश पाल, सहित सैकड़ों समाजवादी लोग मौजूद रहे।

शहर कांग्रेस ने बिजली की समस्याओं को लेकर

बिजलीघर पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)।शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा के नेतृत्व में बिजली की समस्याओं को लेकर बिजलीघर पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।शहर में घरेलू गैर घरेलू पावर कनेक्शन धारकों से मीटर में दर्शित रीडिंग के मुताबिक देयक जारी ना कर मनमानीआकलित खपत के देयक जारी कर उनसे अनाधिकृत राशि वसूल कर त्रस्त्र किया जाता रहा है संबंधित क्षेत्र उपभोक्ता जब बिजली कार्यालय में समस्या लेकर पहुचते है तो वहां अधिकारियों की उपस्थिति ना होने से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाने उपभोक्ता भुगतान नियमत बिल की अदायगी नहीं कर पाते हैं तथा उपभोक्ताओं को विभाग की कमी के चलते अनावश्यक का सरचार्ज और बिलंब शुल्क देने को मजबूर होना पड़ रहा है।

आता भिंड शहर के उपभोक्ताओं की निम्न विद्युत समस्याओं को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी भिंड बिंदुवार प्रस्तुत प्रस्तुत कर उनके शीघ्र निराकरण की मांग करती है 1 विद्युत बिल सुधार हेतु वार्ड स्तर पर समितियों का गठन कराया जाए

2 कांग्रेस शासनकाल में इंदिरा ज्योति योजना के अंतर्गत 150 यूनिट की खपत बाले उपभोक्ताओं को 100 यूनिट खपत हेतु ?100 के बील दिए थे इस योजना को चालू रखा जाए

3 मेंटेनेंस के नाम पर शहर में अनावश्यक विद्युत कटौती करने के बावजूद भी शहर के ट्रांसफार्मर विद्युत लाइने जर्जर बनी हुई है जिन्हें शीघ्र दुरुस्त कराया जाए एवं नई केबिले और ट्रांसफार्मर रखवा जाएं

4 सौभाग्य योजना में भारी लेने देन हुआ है इसकी जांच कराई जाए

5 कोरोना कॉल मार्च-अप्रैल मई 2021 के बिल माफ कर उनकी वसूली तत्काल होगी जाएं

6 शहर के अधिकांश फिडरों की मेन व्हीसीबी एवं फीडर व्हीसीबी खराब पड़ी हुई है जिन को तत्काल बदला जाए और भिंड शहर के 33 केवी/11केवी के हैवी स्विच खराब होकर डायरेक्ट जुड़े हैं जिन्हें तत्काल बदला जाए

7 उप केंद्रों में अर्थिंगो पाइप डलवाई जाएं साथ ही कार्यालयों में पदस्थ परीक्षण सहायकों को उपकेंद्रों पर पदस्थ किया जाए

8 विद्युत उपभोक्ता शिकायत कॉल सेंटर क्रमांक चल रही है18002331912 पर उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के पश्चात 24 घंटे पश्चात बिना समाधान किये शिकायत को डिस्पोज कर दिया जाता है इसकी जांच कराई जा कर दोषियों को दंडित किया जाए आता माननीय महोदय से इस ज्ञापन पत्र के माध्यम से शहर कांग्रेस कमेटी मांग करती है की बिंदुवार सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से बाबा भगवानदास सेथिया, प्रदीप जैन, संतोष त्रिपाठी वीरेंद्र यादव, विनोद पंडित, संदीप मिश्रा ,जुग्गन दीक्षित,रेखा भदौरिया, रामप्रकाश यादव,पान सिंह सिंह बाबूजी, अनीस कुरैशी, दुष्यंत सिंघई, रामजीलाल शाक्य ,चंद्रपाल परिहार, बॉबी शर्मा ,शंकर जैन, अजय जैन ,राहुल सिंह कुशवाह, अंकित तोमर, दर्शन सिंह तोमर, प्रमोद दीक्षित, कुलदीप भारद्वाज, राजू त्रिवेदी आनंद शाक्य ,मनोज जैन, बृजेश जैन ,यतेंद्र मिश्रा, शिवम दुबे, धीरज सिंह, शैलेंद्र सिंह भदोरिया ,रामहेत शाक्य, मनजीत रावत, नीलम भदौरिया, पिंकू राजावत, शिवांश शर्मा, सोनू कुशवाह ,संजय यादव, कुलदीप सिंह, जितेंद्र वर्मा, ऋतु जैन ,मोहर सिंह अगरैया, गोपाल सबिता, इमरान खान, कुंवर सिंह गुर्जर ,भागीरथ सिंह, पिंटू शर्मा ,अजय कुमार वर्मा ,मुकेश गर्ग, गिर्राज पुरोहित, दीपू दुबे ,आशीष भारद्वाज,अंकित दुबे, संजय यादव अकोड़ा,नितिन शर्मा आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

वन-टू-वन

MP में बाढ़ का कहर जारी

प्रदेश के किन जिलों में कितने गांव हैं प्रभावित

भोपाल(अर्पित गुप्ता उपसम्पादक)

मध्य प्रदेश में भारी बारिश अपने साथ तबाही लेकर आई प्रदेश के कई जिलों में जल प्रलय की तस्वीरें सामने आ रही हैं.चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है।जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है।ग्वालियर-चंबल संभाग के श्योपुर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, अशोकनगर, दतिया और गुना जिले में बारिश से हालत बद से बदतर हो गई है।ऐसे में लगातार सेना के जवान समेत कई टीम राहत एवं बचाव के कार्य में लगी हुई हैं।प्रदेशभर में सिलसिलेवार तरीके से आंकड़े देखिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का स्थिती।

प्रदेश भर में बाढ़ से 55 हजार 199 कुल जनसंख्या प्रभावित है।बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों से 30 हजार 790 लोगों को बाहर निकाला गया है।कुल 126 राहत कैंप बनाए गए हैं।जिसमें 16 हजार 68 लोगों को रखा गया है।

यहां समझिए जिलेवार ऑपेरशन की जानकारी

श्योपुर जिला

श्योपुर जिले की अब तक की स्थिति की बात करें तो यहां कुल 55 ग्राम प्रभावित हैं।यहां से करीब 8 हजार लोगों को बाहर निकाल लिया गया है।कुल 25 राहत कैंप बनाए गए हैं।जिसमें 1500 व्यक्ति ठहरे हुए हैं।जिले में आबदा, रेशन कॉलोनी, कस्बा, विजयपुर, चैनपुर,पनवाड़ा, बीरपुर, इकलौदा,गोलीपुरा बाढ़ प्रभावित गांव हैं।

भिंड जिला

भिंड जिले में 25 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।जिसमें कुल 10 हजार 194 लोग प्रभावित हैं।यहां बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से 1100 लोगों का रेस्क्यू किया गया है।10 राहत कैंप बनाए गए हैं।जहां 800 लोगों को रखा गया है।राहत एवं बचाव कार्य में एसडीआरएफ की दो टीम, आर्मी के 52 जवान और 7 बोट लगी हुई हैं।

देखिए जिलेवार आंकड़े

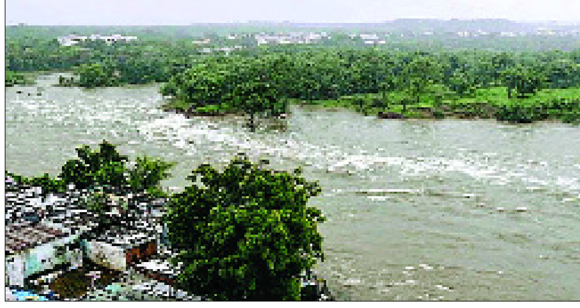

मुरैना जिला

मुरैना जिले में बाढ़ प्रभावित कुल ग्राम 68 हैं। जिसमें प्रभावित जनसंख्या 13574 है।बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से बाहर निकाले गए व्यक्तियों की संख्या 6596 है। जहां कुल 30 राहत कैंप बनाए गए हैं।राहत कैम्पों में 4596 व्यक्ति ठहरे हैं।जबकि राहत कार्य SDRF के 23 लोगों की टीम, NDRF के 50 लोगों की टीम, होमगार्ड के 50 जवान लगे हुए हैं।

शिवपुरी जिला

शिवपुरी जिला में बाढ़ प्रभावित कुल ग्राम 309 हैं।प्रभावित जनसंख्या 16660 है। बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों से 2075 लोगों को बाहर निकाला गया है।15 राहत कैम्प बनाए गए हैं।जिसमें 1600 लोग ठहरे हुए हैं।राहत कार्य में स्छत्रक्र-2,हृछत्रक्र -2 एयरफोर्स, आर्मी, 9 बोट की टीमें लगी हुई हैं।

दतिया जिला

दतिया में कुल 36 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं।जिनकी कुल जनसंख्या 8496 है।बाढ़ग्रस्त क्षेत्र से अब तक 12744 व्यक्तियों को बाहर निकाला गया है।जिले में कुल 20 राहत कैम्प बनाए गए हैं।जिसमें कुल 4495 व्यक्ति ठहरे हुए हैं।जिले में राहत कार्य में SDRF, NDRF, एयरफोर्स, आर्मी की टीमें लगी हुई हैं।

इसके अतिरिक्त गुना,अशोकनगर और ग्वालियर में भी राहत कैम्प बनाए गए हैं,जहां बाढ़ प्रभावितों की व्यवस्थाएं की गई है।

राणा गॉव मे एक शाम राजेश्वर भगवान के नाम विशाल भजन संध्या एवं वृक्षारोपण का आयोजन किया गया

नेनाराम सिरवी, पुष्पांजली टुडे

पाली रोहट तहसील में श्रावण बदी शुक्रवार को ग्राम पंचायत राणा गॉव मे स्थान आम चोहटा रात्री 8 बजे हर साल की भाँति इस साल भी 1008 श्री राजेश्वर भगवान की 78वीं पुण्यतिथि के अवसर पर एक शाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा जिसमे गायक कलाकार एवं भजन मण्डली गौ रत्न वेलाभाई पटेल एण्ड पार्टी जाडरा गुजरात व मटकी डांसर गौ भक्त उतम भाई गॉव रामा के द्वारा एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति व डांसर अपनी कलाकारी नृत्य की प्रस्तुतियां दी जाएगी तथा 7 अगस्त शनिवार को प्रातः 9 बजे वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा यह जानकारी आयोजनकर्ता राजेश्वर युवा संगठन ने दी है कि इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पाली विधायक ज्ञानचंद पारख रोहट प्रधान सुनीता कंवर राजपुरोहित पाली प्रधान मोहिनी देवी उप प्रधान कानाराम जिला परिषद सदस्य हरिश चौधरी पंचायत समिति सदस्य रमेश जी सरपंच भरत पटेल भाजपा वरिष्ठ नेता हरिभाई पटेल रूपावास राणा सरपंच प्रवीण पटेल मंडल अध्यक्ष गणेश पटेल सहित कई लोग मौजूद रहेंगे।

रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट मैसूर की वार्षिक मिटींग आयोजित हुई

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु = रक्तदान महादान गौभक्त संगठन ट्रस्ट,मैसूरु की वार्षिक बैठक रखी गई द्य कोषाध्यक्ष पारसराम बोराणा ने आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत कर वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया द्य अध्यक्ष देवेन्द्र परिहारिया ने संगठन द्वारा जनहित में किए गए कार्यो जैसे रक्तदान शिविर,गौसेवा संबंधित कार्य,लॉकडाउन में राशन सामग्री वितरण,जरूरतमंद लोगों को रक्त की व्यवस्था करवाना,वैक्सीन टीकाकरण अभियान में प्रशासन के संग सहयोगात्मक भूमिका निभाते हुए स्वयंसेवक के रूप में सेवाएं देना तथा आगामी कार्य योजनाओं पर चर्चा हुई द्य इस दौरान ट्रस्ट के संस्थापक करमीराम सीरवी,संरक्षक समाजसेवी डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित,पृथ्वी सिंह चांदावत ,गुदडराम काग, जंनकसिंह भाटी व प्रकाश निकुम,प्रवक्ता महेन्द्र चौयल सहित ट्रस्टीगण मौजूद रहे ।

मलेरिया नियंत्रण अभियान के लिए राजनांदगांव में हुई तीन राज्यों के सीमावर्ती जिलों के स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी राजनांदगांव छत्तीसगढ़ डॉ मिथलेश चौधरी की मेजबानी में आज 05 अगस्त 2021 को बालाघाट म प्र, गढ़चिरोली एवम गोंदिया महाराष्ट्र तथा कांकेर, बालोद एवं कवर्धा एवं राजनांदगांव के सीएमएचओ , डिस्ट्रिक्ट मलेरिया ऑफीसर एवम छत्तीसगढ़ राज्य की स्टेट टीम की मलेरिया नियंत्रण अभियान को लेकर सम्मिलित बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि मलेरिया के प्रभावी रोकथाम के लिए 16 अगस्त से तीनों राज्यो के सीमावर्ती जिलों बालाघाट,भंडारा, गोंदिया, राजनांदगांव एवम कवर्धा जिलो में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। मलेरिया की जांच, उपचार एवम रोकथाम के बारे में जन सामान्य को सलाह दी जाएगी। एक सप्ताह का यह संयुक्त अभियान 16 अगस्त से प्रारम्भ होगा। इस बैठक में शामिल होने के लिए बालाघाट के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज पांडे राजनांदगांव गए थे।

'बाढ़ पीड़ित परिवारजनों की हर संभंव मदद की जाएगी: नरेन्द्र सिंह'

नीरज त्रिपाठी दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। भाजपा के वरिष्ठ नेता, भिण्ड के पूर्व विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने ग्राम पंचायत के ग्रामीणजनों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्राकृतिक आपदा के संकट की घड़ी में भिण्ड विधानसभा क्षेत्र के सिंध नदी के किनारे बसे गांवों में भारी बाढ़ आ जाने से अधिकांश गांव जलमग्न हो गए है। क्योंकि सिंध नदी में पानी के अत्याधिक बढ़ जाने से दो दर्जन गांव बाढ़ की चपेट में आ गए है। घटना की जानकारी मिलते हीं बाढ़ प्रभावित इलाकों में पूर्व विधायक कुशवाह पहुंचे, जहां उन्होंने वास्तविक स्थिति को देखकर वह चिंतित हुए।

भाजपा मीडिया सेंटर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया हैं कि भाजपा नेता पूर्व विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह ने नाउ के माध्यम से पीड़ित इलाकों में पहुंचकर पीड़ित परिवार जनों को और उनके बच्चों को गांव से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया पीड़ित परिवारजनों को ढांढस बधाते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रदेश सरकार आपके साथ है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पल-पल की जानकारी ले रहे हैं और राहत के इंतजामों की व्यवस्था सुनिश्चित करा रहे है। किसी भी प्रकार की कोई भी कसर नहीं छोड़ी जाएगी। राज्य सरकार और प्रशासन व भाजपा कार्यकर्ता पूर्णरूप से अलर्ट हैं। जनसेवा भाव का संकल्प लेकर कार्य कर रहे हैं। जो लोग गांवों में फंसे हैं उन्हें सुरक्षित निकालकर निर्धारित किए गए स्थानों पर पहुंचाया जा रहा हैं। जहां उनके खाने-पानी व ठहरने की भी व्यवस्था कराई जा रहीं है। पूर्व विधायक कुशवाह ने बताया कि सिंध नदी उफान पर है। गांव पूर्णरूप से डूब चुके हैं जिनमें जखमौली, ओझा, सिखाता सीताराम का पूरा सरसई सनावद टहनगुर, ढूड़ियन, खोजरा, ढ़ोचरा इन गांव में 1971 में बाढ़ आ जाने से पूर्णरूप से डूब गए थे, अब 2021 को फिर वहीं स्थिति देखने को मिली है। लगभग पचास गांव इस प्राकृतिक आपदा से ग्रसित हुए है। पूर्व विधायक कुशवाह ने घटनास्थल से जिला प्रशासन, एसडीएम भिण्ड एवं पुलिस विभाग, राजस्व विभाग के अधिकारियों को मोबाइल पर जानकारी दी और कहा कि राहत कार्य तुरंत शुरू किए जाए। पूर्व विधायक के साथ में जखमौली ग्राम पंचायत के सरपंच जितेन्द्र सिंह, पप्पू सिंह राजावत, जगत बहादुर सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

कमलनाथ भी 7 अगस्त को करेंगे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा

इन जिलों में लेगें स्थिति का जायजा

सुरजीत राजावत ब्यूरो, पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर / मध्यप्रदेश का ग्वालियर-चंबल संभाग पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में है।आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।एक तरफ लगातार प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा ले रहे हैं।वहीं दूसरी तरफ अब प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ भी बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने की तैयारी में हैं।

कांग्रेस के मीडिया समन्ययक नरेंद्र सलूजा ने बताया कि कमलनाथ शनिवार यानी 7 अगस्त को ग्वालियर चंबल के बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों हवाई का दौरा करेंगे. जहां वे शनिवार को ग्वालियर से दतिया, शिवपरी और श्योपुर का हवाई दौरा करेंगे।यहां बता दें कि सीएम शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को दतिया में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा कर जायजा लिया।जिसके बाद सीएम ने मदद के लिए पीएम मोदी से गुहार लगाई है. ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया और गुना में हालात पर नियंत्रण रखने के लिए हेलीकॉप्टर और एनडीआरएफ की टीमें तैनात हैं।सैलाब की वजह से 3-4 जिलों में हालात बेकाबू हैं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राधेलाल बघेल ने

सेवड़ा विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्यो का जायजा लिया

विवेक सेन रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

इंदरगढ़ इस दौरान बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात कर उनके भोजन आवास की समुचित व्यवस्था को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए इस दौरान उन्होंने सेवड़ा नगर में फंसे 7 लोगों को प्रशासन की मदद एवं हेलीकॉप्टर की सहायता से बाहर निकलवाया सिंध नदी के किनारे बसे ग्रामों का दौरा किया कंजौली पचेरा टोडा खैरोना बिलासपुर एंडोरा पाली सुनारी सनातन रक्षा दल प्रदेश संगठन मंत्री युवा प्रकोष्ठ अमन मिश्रा , तहसील अध्यक्ष नवीन , उपाध्यक्ष विनोद यादव , उपाध्यक्ष आनंद यादव प्रवक्ता जैकी यादव , प्रचारक सुरेंद्र गुप्ता सहमंत्री पुष्पेंद्र यादव , संगठन मंत्री अंकित झा एवम पवन तहसील मीडिया प्रभारी शुभम गुप्ता गोस्वामी आदि कार्यकर्ता एवं गांव के सरपंच महेंद्र सिंह बघेल, मौजूद रहे आदि गांव में जाकर भ्रमण किया,, अमन सिंह राठौर उपस्थित रहे एवं समस्त अधिकारी मौजूद रहे।

संजीव चौधरी पत्रकार ने अपनी टीम के साथ गिरबासा स्कूल में आश्रय लिए बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

बाढ़ पीड़ितों ने खुले हाथों से दिया आशीर्वाद

लहार(अर्पित गुप्ता)

प्रदेश में हो रही लगातार बारिश के चलते छोड़े गए बांध के पानी की बजह से सिंध नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए ग्रामीणजन ग्रामो से पलायन करके कहीं न कही आश्रय ले चुके है जिसके चलते गिरबासा पंचायत के मजरा छेकुर (ढीमरन पुरा) के लोगो को प्रशाशन की सहायता से रेस्क्यू कर गिरबासा हाई स्कूल में ठहराया गया एवम वहीं गिरबासे की निचली बस्ती जहां पानी भरने की बजह से घर फूट गए उन परिवारों ने भी स्कूल को अपनी शरण स्थली बनाया पर क्षेत्र पे रह रहे नवयुवकों से उनकी परेशानी और पीड़ा को देखते हुए लहार के कद्दावर युवा नेता संजीव चौधरी पत्रकार अपनी टीम के साथ उन्हें राहत सामग्री के पैकेट जिसमे नमकीन, बिस्किट,पेटीज,चार चार केला का एक पैकेट बनाकर वहां रह रहे 100 परिवारों में वितरित करबाए इस महान कार्य के लिए बाढ़ पीड़ितों ने उन्हें खुलकर आशीर्वाद दिया एवम उन्हें दिन दूनी रात चौगनी तरक्की की प्रार्थना की इस मौके पर संजीव चौधरी पत्रकार जी के साथ बरिष्ठ समाज सेवी सुभाष अग्निहोत्री, विनोद दीक्षित बरेई,आशुतोष उपाध्याय, मोनू पचौरी, सोनू त्रिपाठी,आर्यन राठौर साथ रहे ।

खौड विद्यालय में किया वृक्षारोपण

नेनाराम सिरवी, पुष्पांजली टुडे

पाली रानी उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत खौड गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में बुधवार को महात्मा गांधी नरेगा योजना अंतर्गत बां.बापू वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम मे संबोधित करते हुए रानी एसडीम शर्मा ने गांव में प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनकी साख संभाल करने की जिम्मेदारी के बारे में बताया साथ ही पेड़ पौधे हमे शुद्ध आक्सीजन प्रदान कराते हैं। वही रानी प्रधान श्याम कंवर मेड़तिया ने पेड़ पौधे मानव जीवन का अभिन्न अंग होना बताया। सरपंच दुर्गा दाधीच ने पर्यावरण को खतरे से बचाने के लिए पौधरोपण जरूरी है। गुड़ा एंडला थानाधिकारी रविंद्रपालसिंह राजपुरोहित ने जन

औषधि आयुर्वेदिक काढ़ा एवं नीम गिलोय की उपयोगिता के बारे में बताया। पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच ने प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़ पौधे लगाना जरूरी है । कार्यक्रम के दौरान नरेश जैन गणपतराज मेहता ने एक सौ ट्री गार्ड देने की घोषणा की।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर रानी उपखंड अधिकारी गोमती शर्मा, रानी तहसीलदार मादाराम, विकास अधिकारी आवडदान चारण , प्रधान श्याम कंवर, सरपंच दुर्गा दाधिच, प्रधानाचार्य शांति चौहान, समाजसेवी गिरधारीसिंह बोलागुड़ा, थाना अधिकारी रविंद्रपालसिंह राजपुरोहित, पूर्व सरपंच रुपेश दाधीच, खौड पुलिस चौकी प्रभारी चौथाराम नागौरा, भामाशाह गणपतराज मेहता, ग्राम विकास अधिकारी महावीरसिंह,पंचायतराज सहायक अभियंता मनीष मजूमदार, प्रधानाचार्य हेमंत कुमार दवे, मुकेश सीरवी, उपसरपंच मालमसिंह, आरआई दलाराम सीरवी, पटवारी सौरभ प्रकाश, जेटीओ चंपालाल मीणा, विक्रमसिंह,वार्ड पंच सोहनलाल सोलंकी, तुलसी कुमावत, देवी कंवर ,समेत ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

शराब असली या नकली एसएमएस करने पर मिलेगी जानकारी

भोपाल। मंदसौर, खरगोन और इंदौर में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद पुलिस और प्रशासन ताबड़तोड़ कार्रवाई करने में जुटा हुआ है। इस दौरान मालवा और निमाड़ क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध शराब निर्माण करने वाले शराब माफियाओं पर कार्रवाई का दौर भी लगातार जारी है। पुलिस ने आबकारी विभाग द्वारा जारी किए गए एसएमएस हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। शराब खरीदने वाले ग्राहक खरीदी गई शराब की बोतल पर लगे होलोग्राम के कोड नंबर हेल्पलाइन नंबर पर एसएमएस कर पता कर सकेंगे की शराब असली है या नकली। गौरतलब है कि बीते दिनों मंदसौर जिले में जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई थी जबकि दो लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी।

वन-टू-वन

दादा ने लगवाई उपनगर में वैक्सीन

ग्वालियर। अपने पूर्व मंत्री बजरंगी दादा की बात ही निराली है, वह अपने विधानसभा क्षेत्र उपनगर ग्वालियर से बेहद प्रेम रखते हैं, और आज भी वहां के लोगों में सतत संपर्क में रहते हैं। बजरंगी दादा जयभान सिंह पवैया आज दोपहर हजीरा स्थित सिविल डिस्पेंसरी पहुंचे और कोविशील्ड का दूसरा डोज लगवाया। इस दौरान पवैया से मिलने के लिये भारी संख्या में स्थानीय वासी भी थे। पवैया से स्थानीय लोगों ने अपनी समस्या भी सामने रखी।

बाढ क्षेत्र से एयरलिफ्ट कर ग्वालियर लाए गए 3 ग्रामीणों को, निगम ने की उनके गांव भेजने की व्यवस्था

ग्वालियर। एयरफोर्स द्वारा भिंड के ग्रामीण क्षेत्र से एयरलिफ्ट कर ग्वालियर लाए गए बाढ में फंसे 3 ग्रामीणों को आज गुरुवार को नगर निगम ग्वालियर द्वारा भोजन कराकर कपडे, चप्पल एवं नगद पैसे आदि प्रदान कर भिंड से 35 किमी दूर गांव पंहुचाने की व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय है कि भिंड से 35 किलोमीटर दूर परसाला गांव में बाढ के पानी के बीच में फंसे 3 ग्रामीणों श्री नरेश पुत्र श्री कोकसिंह, श्री रविसिंह पुत्र श्री अरविंद एवं श्री संतोष पुत्र श्री जगराम को एयरफोर्स द्वारा रेस्क्यू कर ग्वालियर लाया गया। रेस्क्यू कर लाए गए ग्रामीणों के पास कपडे भी नहीं थे क्योंकि वह जब बाढ से घिरे तो वह केवल तौलिया लगाकर खेतों में कार्य कर रहे थे। बाढ की सूचना प्रशासन को मिलते ही एयरफोर्स के हैलीकॉप्टर द्वारा उन्हें एयरलिफ्ट कर ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन तक लाया गया। जब एयरफोर्स के अधिकारियों द्वारा नगर निगम के अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई तो निगमायुक्त श्री शिवम वर्मा ने तत्काल निगम अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए और ग्वालियर पूर्व के डिपो प्रभारी श्री गौरव परिहार द्वारा तत्काल तीनों ग्रामीणों को जिनके पास कपडे भी नहीं थे कपडे, चप्पल उपलब्ध कराए गए तथा भोजन कराया गया। इसके साथ ही भिंड भेजने की व्यवस्था की गई तथा गांव तक पंहुचने के लिए नगद 200-200 रुपए भी प्रदान किए गए।

प्रमोशन के लिए मार्कशीट मे हेराफेरी, मामला दर्ज

ग्वालियर। शहर की पड़ाव थाना पुलिस ने प्रमोशन के लिए मार्कशीट में हेरफेर करने वाले युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है । जानकारी के अनुसार उप अभिलेख अधिकारी कार्यालय पदस्थ रामशरण सिंह ने शिकायत की थी कि कार्यालय में एमटीएस के पद पर पदस्थ के नाथूराम ओझा पुत्र हरिविलास ओझा ने दसवीं कक्षा की मार्कशीट में हेरफेर नौकरी में लगाई है। जब इन दस्तावेजों की जांच कराई तो पता चला कि उन्होंने अपनी मार्कशीट में वर्ष 1954 के स्थान पर 1959 दर्ज कराया है। इसका पता चलते ही मामले की शिकायत पुलिस से की। पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है।

शहर से 2 छात्राएं लापता

ग्वालियर। शहर हजीरा और ग्वालियर थाना क्षेत्र से दो छात्रा लापता हो गई। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार हजीरा थाना क्षेत्र के प्रसाद नगर में रहने वाली 15 साल की एक किशोरी बीते रोज घर से बाजार गई थी उसके बाद गायब हो गई। परिजनों ने उसकी तलाश की जब कुछ सुराग नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच के बाद अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। वहीं ग्वालियर थाना क्षेत्र के चंदन नगर निवासी 16 वर्षीय छात्रा स्कूल के लिए निकली थी उसके बाद शाम तक घर लौट कर नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश की ।लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजन थाने पहुंचे वह शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर लापता छात्रा की तलाश शुरू कर दी है।

20 सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों ने सिरोल पहाडी पर रोपे 500 पौधे

ग्वालियर। शहर के प्रत्येक क्षेत्र में एक ग्रीन जोन बनाने के उद्देश्य से किए जा रहे पौधा रोपण अभियान के तहत निगम द्वारा सिरोल पहाडी सहित शहर के सभी क्षेत्रों व डिवायडरों पर विशेष अभियान चलाकर पौधारोपण कराया जा रहा है। इसी के तहत आज सिरोल पहाडी सहित विभिन्न स्थानों पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं एवं समाजसेवी नागरिकों की सहभागिता से पौधों का रोपण किया गया।

हमारे प्रयास ऐसे हों कि लोगों के चेहरे पर चिंता की लकीरें न रहें प्रभारी मंत्री श्री सिलावट बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच पहुँचे

ग्वालियर। हमारे प्रयास और सेवाएँ ऐसी हों, जिससे बाढ़ प्रभावित लोगों में भरोसा कायम हो और उनके चेहरे पर चिंता की लकीरें न रहें।प्रदेश सरकार बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने के लिए कटिबद्ध है, इसलिए जरूरतमंदों को राहत देने में कोई ढिलाई न हो। इस आशय के निर्देश जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने राहत एवं बचाव कार्यों से जुड़े अधिकारियों को दिए। श्री सिलावट गुरुवार की सुबह बाढ़ प्रभावित परिवारों से रू-ब-रू होने पहुँचे हैं।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने डबरा जनपद पंचायत के अंतर्गत पिछोर में बनाये गए बाढ़ राहत शिविर में पहुँचकर बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट की। इस शिविर में लिधौरा एवं उससे जुड़े दयादीन बाथम का डेरा के बाढ़ प्रभावित लोगों के अस्थाई आवास व भोजन की व्यवस्था की गई है। श्री सिलावट ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार हर प्रभावित परिवार को 50 किलोग्राम खाद्यान्न मुहैया कराएगी। साथ ही जिनके घर व अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा है उसका सर्वे कराकर राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत आर्थिक राहत मुहैया कराई जाएगी। इस अवसर प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने एसडीएम सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित हर परिवारको दो दिन के भीतर 50 किलोग्राम खाद्यान्न उपलब्ध कराने का प्रयास करें। साथ ही बाढ़ से हुए नुकसान के सर्वे का काम युद्ध स्तर पर पूरा करें, जिससे प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द राहत दी जा सके। श्री सिलावट ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुई विद्युत लाइन और ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द दुरुस्तकर विद्युत सप्लाई बहाल करने पर भी विशेष बल दिया। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट पिछोर के बाद लिधौरा, सिलेटा, गधोटा, चाँदपुर, धोवट, हरसी बांध व लखेश्वरी इत्यादि स्थानों पर पहुंचेंगे।

बाढ़ प्रभावित गाँवों में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाएँ: प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने हर बाढ़ प्रभावित गाँव में विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा शिविरों में चिकित्सक व पैरा मेडीकल स्टाफ पर्याप्त दवाओं के साथ पहुँचे।

वन मण्डलाधिकारी से फोन पर कहा बाँस-बल्ली मुहैया कराएँ: प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने मोबाइल फोन से वन मण्डलाधिकारी को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित लोगों को अस्थाई आवास बनाने के लिए बांस-बल्ली मुहैया कराएँ। इसके लिए विभाग के अमले को साफ तौर पर ताकीद कर दें, जिससे लोगों को यह सामान मिलने में दिक्कत न हो। श्री सिलावट ने प्रभावित परिवारों को तिरपाल मुहैया कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि पानी उतरने के बाद जो लोग अपने गाँव में लौट गए हैं उन्हें आटा, चावल, दाल व मसाले भी उपलब्ध कराएँ।

दौरे पर जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं: प्रभारी मंत्री श्री सिलावट के साथ पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश मंत्री श्री मदन कुशवाह, भाजपा ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा व श्री मोहन सिंह राठौर सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण भी दौरे पर गए हैं। साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री किशोर कान्याल व एसडीएम श्री प्रदीप कुमार शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद हैं।

अन्न उत्सव की तैयारियों को लेकर अपर आयुक्त ने ली बैठक, दिए आश्यक निर्देश

ग्वालियर। गरीब पात्र परिवारों को राशन वितरण का कार्यक्रम जिलास्तरीय अन्न उत्सव के रुप में 7 अगस्त को आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन के दौरान निगम सीमांतर्गत सभी शासकीय राशन की दुकानों पर चिन्हित हितग्राहियों को राशन के थैले उपलब्ध कराए जाएंगे। इसी आयोजन की तैयारियों को लेकर अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता ने गुरुवार को क्षेत्राधिकारियों एवं व्यवस्था में लगे अन्य सभी कर्मचारियों के साथ बैठक कर सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने एवं उनका निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बालभवन के सभागार में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त श्री मुकुल गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में प्रदेश में 7 अगस्त को अन्न उत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वर्चुअली कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

हाईवे किनारे खेत में फेंका शव, अवैध संबंध में मर्डर की आशंका, मृतक की नहीं हुई पहचान

ग्वालियर। ग्वालियर में एक युवक की गला घोंटकर हत्या कर शव को हाईवे किनारे पानी से भरे खेत में फेंक दिया। हत्या करने वाले युवक से इतनी नफरत करते थे कि उसके प्राइवेट पार्ट काटकर ले गए। घटना गुरुवार सुबह भरथरी गांव के पास की है।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को निगरानी में लिया है। शव 36 से 48 घंटे पुराना लग रहा है। पानी में पड़े होने के कारण वह गलने लगा है। मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आरोपियों की भी अभी सुराग नहीं लग पाया है। युवक की जिस तरह से प्राइवेट पार्ट काटा गया है। उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हत्या अवैध संबंध के चलते हो सकती है। आंतरी थाना प्रभारी अमित शर्मा ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक युवक का शव भरथरी पुल के पास एक खेत में पड़ा हुआ है। शव मिलने का पता चलते ही पुलिस स्पॉट पर पहुंची। यहां जांच की तो पता चला कि मृतक के गले में रस्सी का फंदा बंधा हुआ है। जिससे पुलिस का मानना है कि उसकी हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। इसका पता चलते ही पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट साइंटिस्ट अखिलेश भार्गव और फिंगर प्रिंट टीम को मौके पर बुला लिया। एक्सपर्ट ने भी स्पॉट की जांच की है। मृतक की शिनाख्ती के पुलिस ने प्रयास किए, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को डेड हाउस में रखवाकर गुमशुदगी के रजिस्टर में छानबीन शुरू कर दी है।

यह है हुलिया

मृतक की उम्र करीब 22 से 25 साल के बीच बताई जा रही है। उसने फौजी पैटर्न की टीशर्ट, काला पेंट पहना है। एक से दो दिन पुरानी बॉडी होने के कारण उसके शरीर भी गलने लगी है और निकल रही है।

अवैध संबंध हो सकता है हत्या की वजह

पुलिस और फोरेंसिक की टीम ने जांच की तो पता चला कि मृतक का हत्यारों ने प्राइवेट पार्ट भी काटा है। उससे आशंका जताई जा रही है कि हत्या के पीछे अवैध संबंध या प्रेम संबंध हो सकते हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478